website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 310 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर नक्सलमुक्त

-अमित शाह बोले- 2026 तक पूरे देश से खत्म होगा नक्सलवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर, जो कभी नक्सलवाद के सबसे बड़े गढ़ माने जाते थे, अब पूरी तरह नक्सलमुक्त हो चुके हैं। शाह ने यह भी विश्वास जताया कि वर्ष 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का सफाया कर दिया जाएगा। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर खुशी जताते हुए लिखा, "यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित किए गए हैं। अब दक्षिणी बस्तर में नक्सलवाद का नामोनिशान बचा है, जिसे हमारे सुरक्षा बल जल्द ही मिटा देंगे।"

शाह ने बताया कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 477 नक्सली मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए तीन प्रमुख रणनीतियों-संवाद, सुरक्षा और समन्वय पर एक साथ काम किया है। शाह ने कहा, "आज हम इस नीति के परिणाम देख रहे हैं। पहले जो इलाके नक्सल हिंसा के प्रतीक थे, वे अब विकास और शांति की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।" इससे पहले 28 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित 'नक्सल मुक्त भारत' सम्मेलन में भी अमित शाह ने कहा था, "मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 31 मार्च 2026 तक इस देश से हथियारी नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा।" उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की दृढ़ नीतियों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सलवाद का आधार धीरे-धीरे खत्म हो गया है।

शाह ने यह भी कहा कि अब ध्यान दक्षिण बस्तर जैसे बचे हुए इलाकों पर केंद्रित किया जा रहा है, जहां अंतिम चरण में नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के प्रयास चल रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में पीएम मोदी बोले- 21वीं सदी हिंदुस्तान की

आंध्र प्रदेश (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मेरा जन्म दादा सोमनाथ की धरती गुजरात में हुआ। मुझे बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में सेवा करने का अवसर मिला और आज श्री शैलम का आशीर्वाद मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश गौरव और समृद्ध संस्कृति की भूमि है। यह विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है। इस राज्य में असीम संभावनाएं और अपार क्षमताएं हैं। आंध्र को सही दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में राज्य को अब वह दृष्टिकोण और केंद्र सरकार का समर्थन दोनों प्राप्त हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2047 में आजादी के जब 100 साल होंगे, तब 'विकसित भारत' होकर रहेगा। मैं विश्वास से कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की होने वाली है। 21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होने वाली है। पीएम ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन वाली सरकार की ताकत से राज्य अभूतपूर्व विकास का गवाह बन रहा है। पीएम ने आगे कहा कि आज सड़क, बिजली, रेलवे, राजमार्ग और व्यापार से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इन पहलों से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। इन परियोजनाओं से कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा। मैं इन विकासों के लिए कुरनूल और पूरे राज्य के लोगों को बधाई

देता हूं। उन्होंने कहा कि तेज विकास के बीच हमें अतीत की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए। लगभग 11 साल पहले, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की खपत औसतन 1000 यूनिट से भी कम थी। देश को अक्सर ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, और हमारे कई गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं थे। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया आज भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त करने के लिए देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गांवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि तकनीक के मामले में हमारा आंध्र प्रदेश और उसके युवा हमेशा आगे रहते हैं। डबल इंजन वाली सरकार के तहत हम इस क्षमता को और मजबूत कर रहे हैं। आज पूरी दुनिया भारत और आंध्र प्रदेश, दोनों की गति देख रही है। गूगल भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब यहीं हमारे आंध्र प्रदेश में स्थापित कर रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारी सरकार का विजन है, नागरिक-केंद्रित विकास। हम लगातार नए रिफॉर्म के जरिए नागरिकों के जीवन को आसान बना रहे हैं। देश में 12 लाख रुपए तक की आय पूरी तरह टैक्स फ्री हो चुकी हैं। सस्ती दवाइयां, सस्ता इलाज, बुजुर्गों के लिए आयुष्मान जैसी अनगिनत सुविधाओं से इजी ऑफ लिविंग का नया अध्याय शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश की क्षमता को नजरअंदाज किया, जिससे न केवल राज्य को, बल्कि पूरे देश को नुकसान हुआ। वह राज्य जो भारत के विकास को गति दे सकता था, उसे अपने विकास के लिए संघर्ष करना पड़ा। अब, एनडीए सरकार के तहत, आंध्र प्रदेश की स्थिति बेहतर हो रही है। पीएम ने कहा कि निम्मलुरु में उन्नत नाइट विजन उत्पादों का कारखाना रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को और मजबूत करेगा। इससे नाइट विजन उपकरणों में भारत की क्षमता बढ़ेगी और यहां निर्मित उत्पाद भारत के रक्षा निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम भारत में निर्मित उपकरणों की ताकत देख चुके हैं।

भूकंप से दहला इंडोनेशिया, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.7 रिकॉर्ड

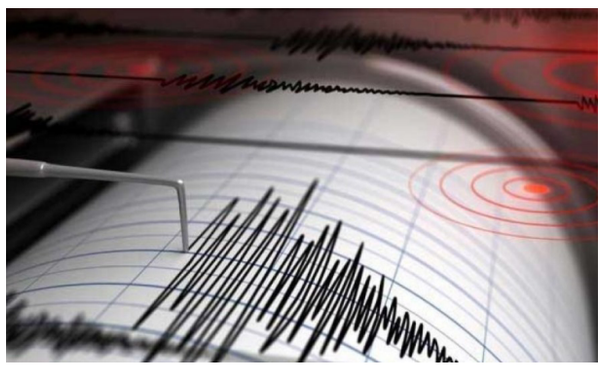

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि गुरुवार को इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 70 किलोमीटर (43.5 मील) की गहराई में था। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है।

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र अबेपुरा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर था, जिसकी आबादी 62,000 से ज्यादा है

यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र अबेपुरा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर था, जिसकी आबादी 62,000 से ज्यादा है। इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान विभाग, इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी यानी बीएमकेजी के अनुसार, भूकंप 6.6 तीव्रता का था, जो सारमी-पापुआ से 61 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।

10 अक्टूबर को, दक्षिणी फिलीपींस के तट पर दो शक्तिशाली भूकंप आए थे, जिसके बाद फिलीपींस और इंडोनेशिया के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी

इससे पहले, 10 अक्टूबर को, दक्षिणी फिलीपींस के तट पर दो शक्तिशाली भूकंप आए थे, जिसके बाद फिलीपींस और इंडोनेशिया के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। भूकंप में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी और भूकंप केंद्र के पास के शहरों में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था।

विशाल द्वीप समूह वाला देश इंडोनेशिया प्रशांत महासागर के "रिंग ऑफ फायर" पर स्थित है

विशाल द्वीप समूह वाला देश प्रशांत महासागर के "रिंग ऑफ फायर" पर स्थित है। जिस वजह से यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं, जहां टेक्टोनिक प्लेट्स टकराती हैं और यह जापान से दक्षिण पूर्व एशिया से होते हुए प्रशांत बेसिन तक फैला रहता है।

जनवरी 2021 में सुलावेसी में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे जबकि हजारों बेघर हो गए थे

जनवरी 2021 में सुलावेसी में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे जबकि हजारों बेघर हो गए थे। इससे पहले 2018 में पालु में 7.5 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद आई सुनामी में 2 हजार से ज्या2दा लोग मारे गए थे। 2004 में आचे प्रांत में 9.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे सुनामी आई और इंडोनेशिया में 1,70,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। प्राकृतिक आपदा से लगातार इंडोनेशिया दो-चार होता रहा है। पिछले सप्ताह ही शुक्रवार को, पूर्वी नुसा तेंगारा में माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी से 10 किलोमीटर (6.2 मील) ऊंचा राख का गुबार दिखा था।

सीएम रेखा गुप्ता ने कालिंदी कुंज घाट का किया दौरा, कई साल बाद यहां मनेगा छठ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली के प्रमुख कालिंदी कुंज यमुना घाट का दौरा किया और आगामी छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उनके दौरे से पहले ही तमाम सरकारी एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी घाट पर मौजूद रहे।

कालिंदी कुंज घाट पर भी विशेष तैयारियां जा रही हैं

दिल्ली सरकार ने इस बार यमुना किनारे के सभी घाटों पर छठ पूजा मनाने की घोषणा की है, जिसके तहत कालिंदी कुंज घाट पर भी विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा इसी घोषणा को जमीन पर उतारने की कवायद का हिस्सा है।

कालिंदी कुंज यमुना घाट दिल्ली के उन प्रमुख घाटों में से एक है, जहां बीते कई सालों से कुछ कारणों से छठ पूजा नहीं मनाई जा रही थी। लेकिन, इस बार भाजपा सरकार ने यह एलान किया है कि पूर्वांचल समाज के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए कालिंदी कुंज यमुना घाट पर भी छठ पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए सरकार व्यापक व्यवस्थाएं कर रही है।

रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को सफाई, सुरक्षा, लाइट्स की व्यवस्था और अन्य जरूरी इंतजामों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो और वे सुरक्षित तथा स्वच्छ माहौल में श्रद्धा के साथ छठ महापर्व मना सकें। कालिंदी कुंज घाट पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और भक्तों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें यमुना किनारे ही आस्था के इस महापर्व को मनाने का अवसर मिलेगा।

सीएम ने कहा-यह उत्सव एक नई शुरुआत लेकर आएगा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, "वर्तमान सरकार के तहत, जिस तरह से सफाई और रखरखाव किया जा रहा है वह उल्लेखनीय है। आप देख सकते हैं कि कोई कचरा नहीं है, कोई दुर्गंध नहीं है। पानी साफ और सुंदर है, और उत्सव की तैयारियां जीवंत, व्यवस्थित और भव्य हैं। सरकार पूरी तरह से सतर्क और दृढ़ है कि तट पर यह उत्सव एक नई शुरुआत लेकर आएगा।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025:

निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को मुफ्त प्रसारण समय किया आवंटित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को दूरदर्शन और आकाशवाणी पर मुफ्त प्रसारण समय आवंटित करने की घोषणा की है। यह निर्णय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 39ए के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य सभी पात्र दलों को समान अवसर प्रदान करना है।

सभी दलों को एक डिजिटल आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से समय वाउचर जारी

आयोग ने बिहार के सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों को एक डिजिटल आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से समय वाउचर जारी किए हैं। प्रत्येक दल को दूरदर्शन और आकाशवाणी के क्षेत्रीय नेटवर्क पर 45 मिनट का आधारभूत प्रसारण समय मुफ्त दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पिछले विधानसभा चुनाव में दलों के प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त समय भी आवंटित किया गया है।

प्रसारण का समय प्रत्येक चरण में उम्मीदवारों की सूची प्रकाशन से लेकर मतदान से दो दिन पहले तक

प्रसारण का समय प्रत्येक चरण में उम्मीदवारों की सूची प्रकाशन से लेकर मतदान से दो दिन पहले तक निर्धारित किया जाएगा। प्रसारण का शेड्यूल लॉटरी के जरिए तय होगा, जिसमें दलों के प्रतिनिधि और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

दलों को अपने प्रसारण की स्क्रिप्ट और रिकॉर्डिंग पहले से जमा करनी होगी

दलों को अपने प्रसारण की स्क्रिप्ट और रिकॉर्डिंग पहले से जमा करनी होगी, जो प्रसार भारती के तकनीकी मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। रिकॉर्डिंग किसी प्रमाणित स्टूडियो या दूरदर्शन/आकाशवाणी केंद्रों पर की जा सकती है। दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है।

प्रसार भारती बिहार में दो पैनल चर्चाओं या वाद-विवाद का आयोजन करेगा

इसके अलावा, प्रसार भारती बिहार में दो पैनल चर्चाओं या वाद-विवाद का आयोजन करेगा, जिसमें प्रत्येक पात्र दल एक प्रतिनिधि भेज सकता है। इन कार्यक्रमों का संचालन एक स्वतंत्र समन्वयक द्वारा किया जाएगा, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी चर्चा सुनिश्चित हो।

यह कदम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया

यह कदम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को बढ़ावा देने और मतदाताओं तक दलों के विचारों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए उठाया गया है। आयोग ने सभी दलों से दिशानिर्देशों का पालन करने और समय पर अपनी सामग्री जमा करने का आग्रह किया है।

पश्चिम बंगाल में खांसी की सिरप बेचने वाली कंपनियों पर सख्ती, नई गाइडलाइंस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में खांसी की दवाओं की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। राज्य के ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने कफ सिरप बेचने और प्रचार करने वाली कंपनियों पर निगरानी तेज करते हुए एक नई गाइडलाइन और निर्देश जारी किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, यह कदम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए उठाया गया है। यह फैसला कोल्ड्रिफ नामक खांसी की सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद लिया गया है। पहले यह दवा मध्यप्रदेश में प्रतिबंधित की गई थी, जहां इसके सेवन से कई बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने भी इसे अपने राज्य में बंद कर दिया। सरकार ने इसे एक एहतियाती कदम बताया है ताकि भविष्य में किसी मासूम की जान ना जाए। गाइडलाइन के अनुसार, कोई भी दुकानदार या कंपनी किसी और कंपनी द्वारा बनाई गई दवा को अपने नाम से नहीं बेच सकेगी जब तक कि उसके पास उस कंपनी के साथ लिखित समझौता न हो। यह प्रावधान गाइडलाइन के सेक्शन 84डी में अनिवार्य किया गया है। वहीं, धारा 84ई के तहत, जो कंपनियां दवाओं की मार्केटिंग करती हैं, उन्हें अब दवा की गुणवत्ता और कानूनी जिम्मेदारियों के लिए निर्माता कंपनी के साथ

बराबर जिम्मेदार माना जाएगा। ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने कहा है कि जो कंपनियां पश्चिम बंगाल के बाहर से खांसी की दवाएं बनवा रही हैं और यहां बेच रही हैं, उन्हें अपने निर्माण समझौते की एक कॉपी ड्रग कंट्रोल विभाग को 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यह कॉपी आधिकारिक ईमेल पर भेजी जानी चाहिए। विभाग इन दस्तावेजों की जांच करेगा और सुनिश्चित करेगा कि सब कुछ नियमानुसार हो।

इसके साथ ही कंपनियों को यह निर्देश भी दिया गया है कि वे केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'ड्रग अलर्ट' पोर्टल पर नियमित नजर रखें, ताकि दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा से जुड़ी नई चेतावनियों की उन्हें सही समय पर जानकारी मिलती रहे। ड्रग कंट्रोल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस फैसले से बाजार में खराब या बिना लाइसेंस वाली खांसी की सिरप की बिक्री पर लगाम लगेगी। साथ ही इससे ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ेगा कि उन्हें जो दवा मिल रही है, वह सुरक्षित है और नियमों के तहत बनी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी बच्चों को दी जाने वाली खांसी और सर्दी की दवाओं को लेकर चेतावनी जारी की थी। मंत्रालय ने कहा था कि ऐसी दवाओं के इस्तेमाल में विशेष सावधानी बरती जाए। खासकर छोटे बच्चों के लिए इन दवाओं का उपयोग डॉक्टर की सलाह के बिना न किया जाए। मध्यप्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत की घटनाओं के बाद पूरे देश में प्रशासन ने खांसी की सिरप को लेकर अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। अब राज्यों के स्वास्थ्य विभाग भी एक्शन मोड में आ गए हैं और दवाओं की गुणवत्ता की जांच और निगरानी को लेकर बेहद सतर्क हो गए हैं।

डीआरडीओ का स्वदेशी पैराशूट सिस्टम बनी 'ऐतिहासिक उपलब्धि'

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा विकसित स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (MCPS) को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में "ऐतिहासिक उपलब्धि" बताया। इस सिस्टम से भारतीय वायुसेना के जवानों ने 32,000 फीट की ऊंचाई से सफल कॉम्बैट फ्री-फॉल जंप किया। MCPS को डीआरडीओ की आगरा और बेंगलुरु स्थित प्रयोगशालाओं ने मिलकर तैयार किया है। यह 25,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर तैनात किया जा सकने वाला देश का पहला स्वदेशी पैराशूट सिस्टम है। इसमें कम उतरने की दर, बेहतर स्टीयरिंग क्षमता और 'NavIC' नेविगेशन सिस्टम से संगतता जैसी आधुनिक खूबियां हैं। इस सफलता से भारतीय

सशस्त्र बलों में स्वदेशी पैराशूट सिस्टम के उपयोग का रास्ता खुल गया है, जिससे युद्ध और आपात स्थितियों में विदेशी निर्भरता कम होगी।

संयुक्त राष्ट्र 2025 की नहीं, बल्कि 1945 की वास्तविकताओं को दर्शाता है: एस जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र 2025 की वास्तविकताओं के बजाय 1945 की दुनिया को प्रतिबिंबित करता है। एक बार फिर से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्ता देशों के प्रमुखों के सम्मेलन (यूएनटीसीसी 2025) में गुरुवार को विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि शांति स्थापना के प्रति भारत का दृष्टिकोण उसके सभ्यतागत लोकाचार में निहित है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत द्वारा निर्देशित है।\ उन्होंने आगे कहा, "सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य नेताओं शांति के निर्माता, संरक्षक और दूत की इस प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आप एक ऐसी संस्था संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना की ताकत को दर्शाते हैं, जो लगभग आठ दशकों से संघर्षग्रस्त दुनिया में आशा की किरण के रूप में उभरी है।" विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का शांति स्थापना दर्शन इस विचार से प्रेरित है कि वैश्विक सहयोग न्याय और समावेशिता पर आधारित होना चाहिए। जयशंकर ने कहा, "भारत शांति स्थापना को अपने

सभ्यतागत मूल्यों से जोड़ता है। हम विश्व को एक परिवार के रूप में देखते हैं; यह दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुम्बकम' के शाश्वत सिद्धांत में निहित है। यह केवल सांस्कृतिक ज्ञान ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा दृष्टिकोण है जो हमारे विश्वदृष्टिकोण का आधार है।" उन्होंने आगे कहा, "यही कारण है कि भारत ने सभी समाजों और लोगों के लिए न्याय, सम्मान, अवसर और समृद्धि की निरंतर वकालत की है। यही कारण है कि हम बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी में अपना विश्वास रखते हैं।" वहीं, आधुनिक युग से जुड़ी चुनौतियों को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमारी प्रतिक्रियाओं को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रतिस्पर्धी पहलुओं से आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे सहयोगों का स्वाभाविक प्रारंभिक बिंदु संयुक्त राष्ट्र है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक के लिए न्यूयॉर्क की अपनी हालिया यात्रा के अनुभव साझा करते हुए, भारत के विदेश मंत्री ने कहा, "संयुक्त राष्ट्र आज भी 1945 की वास्तविकताओं को दर्शाता है, न कि 2025 की। अस्सी साल किसी भी मानदंड से एक लंबा समय है, और इस अवधि के दौरान, संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता वास्तव में चौगुनी हो गई है।" उन्होंने चेतावनी दी कि बदलती वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ संस्थाओं के अप्रचलित होने का खतरा है। विदेश मंत्री ने कहा कि जो संस्थाएं अनुकूलन करने में विफल रहती हैं, वे अप्रासंगिक होने का जोखिम उठाती हैं-न केवल अप्रासंगिकता, बल्कि वैधता का क्षरण भी, जिससे अनिश्चितता के समय में हमारे पास कोई सहारा नहीं बचता।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ईपीएफ निकासी में मिली राहत, पर भविष्य की सुरक्षा भी रखें ध्यान

नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक अहम फैसला किया है। अब कर्मचारी अपने ईपीएफ खाते से न्यूनतम बैलेंस को छोड़कर पूरी राशि निकाल सकेंगे। इसमें कर्मचारी और नियोक्ता दोनों का अंशदान शामिल होगा। अब तक यह सुविधा केवल रिटायरमेंट या बेरोजगारी की स्थिति में ही मिलती थी। इतना ही नहीं, अब निकासी के लिए किसी कारण का उल्लेख करना भी जरूरी नहीं होगा। यह फैसला खासतौर पर उन कर्मचारियों के लिए राहत भरा है, जो हर महीने के वेतन पर ही निर्भर रहते हैं और अचानक आने वाले खर्चों के कारण कर्ज या दूसरों की मदद लेने पर मजबूर हो जाते हैं। फिर भी इस फैसले का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) न सिर्फ एक बचत खाता है, बल्कि यह भविष्य की सुरक्षा का एक मजबूत कवच भी है। सेवानिवृत्ति के समय पीएफ से मिलने वाली एकमुश्त रकम जीवन के उत्तरार्ध में स्थिरता और आर्थिक संबल प्रदान करती है। अगर कर्मचारी आज की जरूरतों के दबाव में बार-बार इस बचत को निकालने लगेंगे, तो रिटायरमेंट के बाद का समय मुश्किलों से भरा हो सकता है। ईपीएफ की व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही था कि कर्मचारी अपने कार्यकाल के दौरान थोड़ी-थोड़ी बचत करें, जिससे भविष्य में किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में यह धन सहारा बन सके। यह एक ऐसी मजबूरन बचत योजना है, जो व्यक्ति की आय का छोटा हिस्सा काटकर उसे एक बड़ी सुरक्षा में बदल देती है। मगर यदि इस खाते को बार-बार खंगाला जाने लगे तो यह योजना अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगी। यह भी सच है कि कई बार ऐसी परिस्थितियाँ बन जाती हैं, जब पीएफ खाते से निकासी अनिवार्य लगती है — जैसे कि अचानक किसी बड़े चिकित्सा खर्च का आ जाना, बच्चों की उच्च शिक्षा का खर्च, शादी-विवाह या मकान निर्माण जैसे बड़े निवेश। ऐसे समय में पीएफ से निकाली गई रकम वाकई राहत देती है और तत्काल मददगार साबित होती है। परंतु यह सुविधा आवश्यकता के अनुरूप और विवेकपूर्ण ढंग से ही उपयोग में लाई जाए तो ही सही मायनों में लाभकारी सिद्ध होगी। सरकार ने भले ही यह कदम कर्मचारियों की तात्कालिक जरूरतों को देखते हुए उठाया है, लेकिन साथ ही कर्मचारियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। आज की जरूरतों के लिए भविष्य की सुरक्षा को दांव पर लगाना समझदारी नहीं कही जा सकती। आर्थिक अनुशासन बनाए रखना और बचत की आदत जारी रखना आवश्यक है। आखिरकार, पीएफ का उद्देश्य ही यही है कि नौकरीपेशा व्यक्ति अपने वृद्धावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सके। अगर आज ही सारी जमा-पूंजी निकाल ली जाएगी, तो भविष्य में पेंशन, चिकित्सा और अन्य खर्चों का बोझ बढ़ जाएगा।

ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि दुनिया में एआई इको-सिस्टम का इंजन बने हमारा देश

-आत्मनिर्भर एआई: विदेशी निर्भरता से मुक्ति की दिशा में भारत

दुनिया इस समय एक ऐसी तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रही है जिसने इंसान के सोचने, सीखने और काम करने के तरीक़े को बदल दिया है। इस क्रांति का नाम है — आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। यह सिर्फ़ एक टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि इंसानी सभ्यता के नए युग की दिशा तय करने वाला साधन बन चुकी है। आज दुनिया के हर बड़े देश — अमरीका, चीन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत — इस होड़ में शामिल हैं कि कौन एआई की दौड़ में आगे निकल सके। मगर इस प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति कुछ अलग है। भारत के पास उतने विशाल संसाधन नहीं हैं जितने अमरीका या चीन के पास हैं, लेकिन भारत के पास एक ऐसी चीज़ है जो किसी भी तकनीकी ताक़त की असली पूंजी होती है — लोगों की प्रतिभा, उनका नवाचार और उनका जोश। इसलिए सवाल यह नहीं कि भारत दुनिया का "नंबर वन एआई देश" बनेगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत दुनिया के एआई इकोसिस्टम का इंजन बन सकता है — यानी वह ताक़त जो दुनिया में एआई के विकास, प्रयोग और प्रबंधन का सबसे भरोसेमंद केंद्र बन जाए।

एआई की वैश्विक स्थिति : अमरीका और चीन की जंग

फिलहाल एआई के क्षेत्र में दो महाशक्तियां आगे हैं — अमरीका और चीन।

अमरीका के पास ओपनएआई, गूगल डीपमाइंड, माइक्रोसॉफ्ट, एनविडिया और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियां हैं जो एआई की सीमाओं को रोज़ तोड़ रही हैं। वहीं चीन ने सरकारी नियंत्रण वाले मॉडल के ज़रिए एआई को उद्योग, शिक्षा, सुरक्षा और प्रशासन में गहराई तक उतार दिया है। दुनिया का तीसरा स्थान अभी खाली है — और इस पर दावेदारी यूरोप और भारत दोनों की है। यूरोप ने एआई पर नैतिकता और गोपनीयता के नियमों का एक सशक्त फ्रेमवर्क खड़ा किया है, जबकि भारत ने एआई को एक "समान अवसर वाली तकनीक" बनाने की दिशा में अपने कदम बढ़ाए हैं। भारत का दृष्टिकोण यह है कि एआई सिर्फ़ टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का औज़ार बने — जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन और रोज़गार की गुणवत्ता बेहतर हो सके।

भारत की सीमाएं : लोकतंत्र की जटिलता और संसाधनों की कमी

यह सच है कि भारत के सामने कई सीमाएं हैं। भारत एक खुला लोकतंत्र है, जहाँ हर नई नीति को आम जनता के हित और संवैधानिक संतुलन के दायरे में बनाना पड़ता है। हमारे पास संसाधनों की भी सीमाएं हैं — एआई के लिए आवश्यक सुपरकंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़े डेटा सेट्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण जैसी क्षमताएँ अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई हैं। दूसरा, भारत की आबादी बहुत बड़ी है — 1.4 अरब से अधिक। इतने विशाल समाज में नई तकनीक का समान वितरण आसान नहीं। अगर एआई का लाभ केवल शहरी या उच्च वर्ग तक सीमित रह जाए, तो यह तकनीक असमानता को और बढ़ा सकती है। इसलिए भारत को ऐसी नीति बनानी होगी जो "समावेशी एआई" (Inclusive AI) पर आधारित हो।

भारत की मज़बूतियां : प्रतिभा, स्टार्टअप्स और सरकारी दृष्टि

इन सीमाओं के बावजूद भारत की ताक़तें बहुत बड़ी हैं। भारत का आईटी सेक्टर, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रतिभा, और डेटा साइंस विशेषज्ञता पूरी दुनिया में सम्मानित है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों — जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, आईबीएम, बनाते हैं।

आत्मनिर्भर एआई : विदेशी निर्भरता से मुक्ति की रणनीति

अमेज़न — में शीर्ष नेतृत्व भारतीयों के हाथ में है। भारत में आज करीब 11,000 से अधिक एआई-आधारित स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो हेल्थकेयर, एग्रीटेक, फिनटेक, शिक्षा, साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और ई-गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। सरकार ने भी एआई के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं: डिजिटल इंडिया मिशन के तहत डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया गया। इंडिया एआई मिशन (IndiaAI) लॉन्च किया गया, जो अनुसंधान, स्किल डेवलपमेंट और एआई कंप्यूटिंग इकोसिस्टम के लिए रोडमैप तय करता है। सेमीकंडक्टर मिशन के तहत भारत में चिप निर्माण की दिशा में निवेश बढ़ाया जा रहा है। नेशनल डेटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क के तहत सुरक्षित डेटा शेयरिंग की नीति बनाई गई है। ये सभी प्रयास भारत को एआई की नई दुनिया में एक "सक्षम और जिम्मेदार खिलाड़ी" को समझने वाले और देश की जरूरतों के मुताबिक तैयार मॉडल विकसित करना। सरकार भी इस दिशा में "ओपन सोर्स एआई" और "भारत डेटा सेट्स" को प्रोत्साहित कर रही है, ताकि निजी कंपनियां बिना विदेशी प्रतिबंधों के अपने मॉडल ट्रेन कर सकें।

एआई के भारतीय मॉडल की परिकल्पना : "जनकल्याण आधारित तकनीक"

जहाँ अमरीका और चीन एआई का इस्तेमाल अधिकतर लाभ और नियंत्रण के लिए कर रहे हैं, वहीं भारत के पास मौका है कि वह एआई को "जनकल्याण आधारित तकनीक" बनाए।

भारत में एआई का सबसे बड़ा योगदान हो सकता है —

शिक्षा में सुधार: एआई आधारित शिक्षण उपकरणों से हर छात्र को अपनी गति से सीखने का मौका मिलेगा। ग्रामीण और पिछड़े इलाकों के बच्चे भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समान अवसर पा सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं: एआई निदान, दवा वितरण, और टेलीमेडिसिन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे डॉक्टरों की कमी की समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है।

कृषि क्षेत्र: एआई आधारित मौसम पूर्वानुमान, फसल मॉनिटरिंग और स्मार्ट सिंचाई से किसानों की आमदनी बढ़ सकती है।

प्रशासन और गवर्नेंस: एआई की मदद से पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। भ्रष्टाचार और विलंब में कमी आएगी।

रोज़गार और उद्योग: एआई से नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे — डेटा एनोटेशन, मॉडल ट्रेनिंग, ऑटोमेशन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में।

इस तरह भारत एक "जनतांत्रिक एआई मॉडल" प्रस्तुत कर सकता है, जो सिर्फ अमीरों या कंपनियों के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिक के लिए काम करे।

भारतीय भाषाओं में एआई की चुनौती

भारत की सबसे बड़ी विविधता उसकी भाषाएं हैं। 22 अनुसूचित भाषाएं, 1000 से अधिक बोलियाँ — यह किसी भी एआई मॉडल के लिए एक जटिल चुनौती है। अमरीकी या चीनी मॉडल इन भाषाओं को ठीक से नहीं समझते। यही वह क्षेत्र है जहाँ भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। भारत अपने भाषाई एआई मॉडल्स विकसित कर सकता है — जो हिन्दी, तमिल, बंगाली, मराठी, गुजराती, उर्दू और अन्य भाषाओं को समान दक्षता से समझें और बोलें। इससे डिजिटल समावेशन में क्रांति आ सकती है। "भाषा एआई" भारत को न सिर्फ़ एशिया, बल्कि अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे बहुभाषी क्षेत्रों में भी अग्रणी बना सकता है।

सरकार और उद्योग की साझेदारी : एक समग्र दृष्टिकोण

भारत सरकार ने "AI for All" का विज़न अपनाया है।

गाज़ा संघर्ष विराम समझौता: शांति की दहलीज़ पर मध्यपूर्व

-हमास ने सभी बंधकों को रिहा किया, इजरायल ने सैन्य कार्रवाई रोकने का वादा किया

मध्यपूर्व की धरती, जो दशकों से संघर्ष, खून-खराबे और राजनीतिक अविश्वास की गवाही देती रही है, अब शायद इतिहास के एक नए अध्याय की ओर बढ़ रही है। गाज़ा में दो साल से जारी विनाशकारी युद्ध के बाद इजरायल और हमास आखिरकार एक व्यापक संघर्ष विराम समझौते (Ceasefire Agreement) पर पहुँच गए हैं। यह न सिर्फ दोनों पक्षों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए राहत की सांस है। इस समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि हमास ने सभी इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया है, जबकि इजरायल ने स्पष्ट किया है कि अब गाज़ा पर न तो कब्जा किया जाएगा, न विलय होगा, और न वहां के लोगों को विस्थापित किया जाएगा।

संघर्ष की पृष्ठभूमि

यह युद्ध अक्टूबर 2023 से चला आ रहा था, जब हमास ने इजरायल की सीमा में घुसकर एक भीषण हमला किया था, जिसमें सैकड़ों इजरायली नागरिक मारे गए थे और 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। जवाब में इजरायल ने गाज़ा पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसमें हजारों फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हुई और गाज़ा की अधिकांश बुनियादी ढांचा तबाह हो गया। दोनों पक्षों की इस हिंसा ने पूरे मध्यपूर्व को अस्थिर कर दिया था। ईरान, सीरिया और लेबनान के हिज़बुल्लाह जैसे गुटों ने खुलकर हमास के समर्थन में आवाज़ उठाई, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ इजरायल के साथ खड़े थे। इस जटिल जियोपॉलिटिकल समीकरण में शांति की उम्मीद लगभग खत्म सी लग रही थी, मगर धीरे-धीरे राजनयिक पहलों ने नया मोड़ लिया।

संघर्ष विराम की दिशा में पहल

पिछले एक साल में कई बार संघर्ष विराम की कोशिशें हुईं। कतर, मिस्र और तुर्की ने मध्यस्थता की, लेकिन इजरायल के "हमास का पूरी तरह सफाया करने" के लक्ष्य और हमास के "गाज़ा पर संप्रभुता" के दावे के बीच कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया। हालांकि सितंबर 2025 में एक घटना ने हालात बदल दिए — इजरायल द्वारा कतर में किए गए एक हवाई हमले की असफलता। इस हमले में इजरायल को अपना सैन्य रुख नरम करना पड़ा। इसी दौर में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित कूटनीतिक सक्रियता ने निर्णायक भूमिका निभाई।

ट्रंप की भूमिका: "सौदेबाज़ी से शांति तक"

ट्रंप का मध्यपूर्व के साथ रिश्ता हमेशा दिलचस्प रहा है। उनके राष्ट्रपति काल में उन्होंने "अब्राहम समझौते" (Abraham Accords) के तहत कई अरब देशों को इजरायल से रिश्ते सामान्य करने के लिए राज़ी किया था। भले ही वे उस वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं रहे हों, लेकिन उनके प्रभाव और क्षेत्र में उनके संपर्कों का नेटवर्क अभी भी बेहद मजबूत है। इस संघर्ष विराम के पीछे ट्रंप की "डील मेकिंग" डिप्लोमेसी की झलक साफ़ दिखती है। उन्होंने एक ओर सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे अमेरिकी सहयोगियों पर दबाव बनाया कि वे हमास पर युद्ध समाप्त करने का दबाव डालें, वहीं दूसरी ओर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को समझाया कि युद्ध जारी रखना अब अमेरिका और इजरायल दोनों के हित में नहीं है। ट्रंप ने नेतन्याहू को यह समझाने में सफलता पाई कि गाज़ा पर कब्ज़ा या उसका विलय अंतरराष्ट्रीय मंच पर इजरायल को पूरी तरह अलग-थलग कर देगा। उन्होंने यह भी कहा कि "अगर गाज़ा में शांति नहीं होगी, तो इजरायल की सुरक्षा कभी स्थायी नहीं हो सकती।"

समझौते के प्रमुख बिंदु

संघर्ष विराम समझौते में कई अहम बिंदु शामिल हैं, जो आने वाले वर्षों में मध्यपूर्व की दिशा तय कर सकते हैं — गाज़ा में सैन्य कार्रवाई पर रोक – इजरायल ने स्पष्ट किया है कि वह अब गाज़ा में कोई नई सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। कब्ज़ा और विलय का अंत – गाज़ा पर न तो कब्ज़ा किया जाएगा, न उसका विलय किया जाएगा। गाज़ा निवासियों का विस्थापन नहीं होगा – वहां के लोगों को जबरन नहीं निकाला जाएगा। हमास नेतृत्व की सुरक्षा की गारंटी – इजरायल ने यह लिखित आश्वासन दिया है कि वह गाज़ा या विदेश में किसी हमास नेता की हत्या नहीं करेगा। बंधकों की रिहाई – हमास ने सभी इजरायली बंधकों को रिहा करने पर सहमति दी है। बीस जीवित बंधकों को तत्काल छोड़ा गया है, शेष चरणबद्ध तरीके से मुक्त किए जाएंगे। मानवीय सहायता का पुनः आरंभ – संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों के ज़रिये गाज़ा में खाद्य, दवाइयों और पुनर्निर्माण सामग्री की आपूर्ति शुरू होगी। सीमा पार निगरानी समिति – कतर, मिस्र और संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों की देखरेख में एक संयुक्त समिति गाज़ा की स्थिति की निगरानी करेगी।

गाज़ा के लोगों की उम्मीदें

गाज़ा की ज़मीन पर दो वर्षों से जो कुछ हुआ, उसने वहां के समाज को लगभग तबाह कर दिया है। अस्पताल, स्कूल, बिजली और जल आपूर्ति सब खंडहर में बदल चुके हैं। लोग भोजन और दवाओं के लिए तरस गए थे। इस संघर्ष विराम से आम फिलिस्तीनियों को राहत की किरण दिखाई दी है। "हमने सिर्फ मौत देखी थी, अब शायद ज़िंदगी की झलक देखेंगे," गाज़ा सिटी की एक महिला पत्रकार ने कहा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गाज़ा के 70 प्रतिशत से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। अब यह समझौता अगर ईमानदारी से लागू होता है, तो गाज़ा में पुनर्निर्माण की शुरुआत हो सकती है।

इजरायल में राजनीतिक दबाव

इजरायल के अंदर इस समझौते को लेकर मतभेद हैं। नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के कई मंत्री इसे "हमास की जीत" बता रहे हैं। उनका मानना है कि बंधकों की रिहाई के बदले हमास को राजनीतिक वैधता मिल गई है। दूसरी तरफ, देश के बड़े हिस्से में जनता अब शांति चाहती है। इजरायली समाज में यह भावना गहराती जा रही है कि "लगातार युद्ध से सिर्फ पीढ़ियों का नुकसान होता है, सुरक्षा नहीं बढ़ती।"

हमास की रणनीतिक सफलता या मजबूरी?

हमास ने इस समझौते में भाग लेकर अपने लिए एक राजनीतिक स्पेस बनाया है। दो साल तक युद्ध झेलने के बाद, जब गाज़ा का बड़ा हिस्सा खंडहर हो गया, तो हमास पर भी अपने अस्तित्व को बचाने का दबाव बढ़ गया था। बंधकों को रिहा करना उसके लिए एक कठिन लेकिन जरूरी फैसला था। कई विश्लेषकों का मानना है कि हमास ने यह कदम मजबूरी में उठाया, क्योंकि उसके संसाधन और जनसमर्थन दोनों कमज़ोर हो चुके थे।

पढ़ने की संस्कृति: पुस्तक मेलों की भीड़ बताती है कि किताबों से आज भी प्यार है

-किताबों का जादू: डिजिटल दौर में भविष्य उज्ज्वल व आशाजनक

आज के डिजिटल दौर में जब हर हाथ में मोबाइल फोन है, हर आंख किसी न किसी स्क्रीन पर टिकी रहती है, और जब दिन-रात सोशल मीडिया, रील्स, वीडियो गेम्स और ऑनलाइन कंटेंट की बौछार हो रही है — तब यह कहना बहुत आसान हो गया था कि "किताबों का ज़माना अब चला गया।" कई लोग यह मान चुके थे कि काग़ज़ और स्याही की महक अब बीते वक्त की बात हो गई है। लेकिन, इन सारी धारणाओं के विपरीत, किताबों का जादू आज भी बरकरार है — बल्कि पहले से कहीं ज़्यादा चमकदार और जीवंत। भारत में पढ़ने की संस्कृति न सिर्फ़ ज़िंदा है, बल्कि नए रूप में, नई ऊर्जा के साथ लौट आई है।

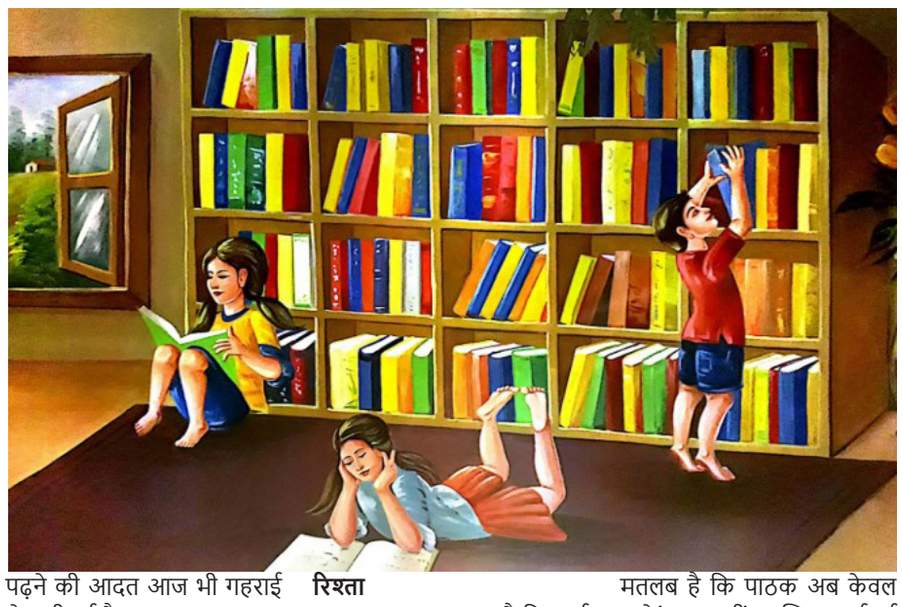

किताबें केवल वस्तु नहीं, संवेदना हैं

किताबों से जुड़ाव महज़ पढ़ने का शौक नहीं होता, यह एक संवेदनशील रिश्ता होता है। किताबें हमारी सोच को दिशा देती हैं, कल्पना को उड़ान देती हैं और आत्मा को सुकून देती हैं। डिजिटल स्क्रीन के शोर में जब ध्यान बिखर जाता है, तब किताबें हमें केंद्रित करती हैं, भीतर झाँकने की क्षमता देती हैं। यही वजह है कि चाहे मोबाइल के ऐप्स कितने भी 'स्मार्ट' क्यों न बन जाएं, वे उस आत्मीयता और गहराई की बराबरी नहीं कर सकते जो एक किताब के पन्ने पलटने में महसूस होती है।

डिजिटल क्रांति के बीच किताबों की बढ़ती लोकप्रियता

कुछ साल पहले जब ई-बुक्स और ऑडियोबुक्स का दौर शुरू हुआ था, तब प्रकाशन जगत में हलचल मच गई थी। विशेषज्ञों ने कहा कि अब प्रिंट किताबों की जगह डिजिटल फॉर्मेट ले लेगा। लेकिन भारत में हुआ ठीक उल्टा — यहाँ प्रिंट किताबों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। नेशनल बुक ट्रस्ट और फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स की रिपोर्ट बताती हैं कि भारत अब दुनिया का छठा सबसे बड़ा पुस्तक बाज़ार है। कोविड के बाद जब सब कुछ ऑनलाइन हो गया था, तब भी किताबों की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह इस बात का सबूत है कि भारतीय समाज में पढ़ने की आदत आज भी गहराई से जमी हुई है।

पुस्तक मेले: संस्कृति और साहित्य का संगम

भारत में हर साल सैकड़ों पुस्तक मेले आयोजित किए जाते हैं। ये मेले अब केवल 'किताब बेचने' के मंच नहीं हैं, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव बन चुके हैं — जहाँ लेखक, पाठक और विचार एक साथ सांस लेते हैं। कोलकाता अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। दुनिया के सबसे विशाल पुस्तक मेलों में से एक, यह मेला अब एक सांस्कृतिक आंदोलन का रूप ले चुका है। लाखों लोग यहां सिर्फ़ किताबें खरीदने नहीं आते, बल्कि अपने पसंदीदा लेखकों से मिलने, चर्चाओं में शामिल होने और साहित्य की नई धाराओं को महसूस करने आते हैं। इसी तरह दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, लखनऊ गोमती पुस्तक महोत्सव, भोपाल साहित्य मेला और पटना पुस्तक मेला जैसे आयोजन यह दिखाते हैं कि भारत में पढ़ने की परंपरा कितनी व्यापक और गहरी है। लखनऊ में हुए गोमती पुस्तक महोत्सव में इस साल किताबों की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। यह सिर्फ़ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि यह संकेत है कि किताबों के प्रति लोगों का प्रेम फिर से लौट आया है।

नई पीढ़ी और किताबों का रिश्ता

अक्सर यह कहा जाता है कि "नई पीढ़ी किताबों से दूर हो गई है।" लेकिन सच यह है कि युवा अब किताबों से नए तरीके से जुड़ रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के ज़रिए युवाओं में बुक-रीडिंग कम्युनिटी का विस्तार हुआ है।

इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर "बुक रिव्यू", "रीडिंग चैलेंज" और "बुक क्लब्स" जैसी गतिविधियों ने पढ़ने को एक ट्रेंड बना दिया है। आज के पाठक केवल पाठक नहीं हैं — वे कंटेंट क्रिएटर, रिव्यूअर और प्रेरक भी हैं। स्कूल और कॉलेजों में "रीडिंग फेस्टिवल" और "बुक-डे" जैसे आयोजन पढ़ने की आदत को बढ़ावा दे रहे हैं। बच्चों के बीच कहानी-पुस्तकें और ग्राफिक नॉवेल्स की लोकप्रियता यह दिखाती है कि किताबों की दुनिया अब भी उतनी ही आकर्षक है जितनी पहले थी — बस उसका रूप बदल गया है।

पुस्तक मेले: समाज का आईना

किसी भी समाज की संस्कृति को समझने का सबसे आसान तरीका है — उसके पुस्तक मेलों को देखना।

यहां मिलने वाली किताबें, चर्चाएं और भीड़ यह बताती हैं कि लोग किस दिशा में सोच रहे हैं।

उदाहरण के तौर पर, हाल के वर्षों में पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सहायता, इतिहास और इस्लामी अध्ययन जैसी पुस्तकों की मांग बहुत बढ़ी है। इसका मतलब है कि पाठक अब केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण और जागरूक साहित्य की तलाश में हैं। पुस्तक मेले इस मायने में बेहद अहम हैं क्योंकि वे पाठक और लेखक के बीच पुल का काम करते हैं। यहां विचारों का आदान-प्रदान होता है, बहसें होती हैं, और सबसे ज़रूरी — पढ़ने का जुनून फैलता है।

प्रकाशन उद्योग में नई ऊर्जा

भारत का प्रकाशन उद्योग आज एक नए स्वर्ण युग में प्रवेश कर रहा है। जहाँ पहले केवल अंग्रेज़ी और हिंदी का दबदबा था, वहीं अब क्षेत्रीय भाषाओं में भी लेखन का विस्फोट हुआ है। तमिल, मराठी, उर्दू, मलयालम, बंगाली और पंजाबी में छपने वाली किताबों की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन बुकस्टोर्स और डिजिटल पेमेंट ने किताब खरीदना आसान बना दिया है। यह बदलाव दिखाता है कि भारत में बहुभाषी पाठक समाज तेजी से विकसित हो रहा है।

लेखकों और प्रकाशकों की नई भूमिका

आज के लेखक केवल साहित्य रचने तक सीमित नहीं हैं। वे समाज में संवाद, बहस और परिवर्तन के वाहक बन गए हैं। नए लेखक सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके सीधे पाठकों से जुड़ रहे हैं।

प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक

-राजस्थान की विकास यात्रा से प्रवासी राजस्थानियों को कराएं अवगत- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसंबर) का आयोजन राजस्थान की ऐतिहासिक और वैभवशाली धरोहर की थीम पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि देश और विदेश से आने वाले प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की विकास यात्रा से भी अवगत कराया जाए। उन्होंने आयोजन की सभी तैयारियां आपसी समन्वय से समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने आगामी 10 दिसंबर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि जयपुर में होने वाले इस आयोजन में राजस्थान की समृद्ध विरासत और संस्कृति की झलक भी दिखाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवासी राजस्थानियों को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू की सफल ग्राउंड ब्रेकिंग की उपलब्धियों से अवगत कराएं। इस संबंध में सोशल मीडिया पर भी प्रचार-प्रसार करें। शर्मा ने राजस्थान फाउंडेशन के सभी चैप्टर्स से आने वाले आगन्तुकों की कार्यक्रम में सहभागिता के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली तथा जरूरी दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सेक्टोरल सेशन के सफल आयोजन के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की ऐतिहासिक इमारतों, धरोहरों, पर्यटन केन्द्रों और महत्वपूर्ण स्थलों की भी जानकारी दी जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश का युवा होगा नशा मुक्त और सशक्त

-14 नवम्बर को होगा नशा मुक्ति का 'उत्साह' आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। युवाओं को नशा मुक्त, एकाग्रचित और उद्देशयपूर्ण जीवन की ओर प्रेरित करने के लिए गुरुवार को शासन सचिव, युवा मामलात एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष राजस्थान युवा बोर्ड डॉ. नीरज के. पवन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। शासन सचिव ने बताया कि राजस्थान युवा बोर्ड एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संयुक्त तत्वाधान में "नशा मुक्त युवा- विकसित भारत- फिट राजस्थान" युवा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक अद्वितीय सेशन 'उत्साह' का आयोजन आगामी बाल दिवस, 14 नवम्बर को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस सेशन मे समस्त सरकारी/गैर सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के युवा, खिलाड़ी, एन. सी.सी., एन. एस. एस., भारत/ हिन्दस्तान स्काउट एण्ड गाईड, पुलिस, आरएसी, सेना, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, गैर सरकारी संगठन, विभिन्न कोचिंग संस्थान, इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेज के 15-29 वर्ष के एक लाख से अधिक युवा एवं आमजन प्रतिभागी शामिल होंगे। इस सेशन का 180 से अधिक देशों में सीधा प्रसारण होगा, जिसका उद्देश्य नशा मुक्त, तनाव मुक्त राजस्थान बनाना है। राजस्थान युवा बोर्ड के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्व प्रसिद्ध मानवतावादी एवं आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर होंगे। डॉ. नीरज के. पवन ने बताया कि भारत सरकार ने योगासन को खेल का दर्जा दिया है, योगासन के माध्यम से युवाओं को नशा मुक्त कर देश सेवा से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलायी जाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, पुलिस, सूचना एवं जनसम्पर्क, सूचना एवं प्रोद्योगिकी, पर्यटन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा, स्कूल शिक्षा(माध्यमिक), चिकित्सा शिक्षा तथा योग व आयुर्वेद विभाग, आर्ट एवं ऑफ लिविंग संस्था, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं निजी विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को कार्यक्रम को सफल बनाने लिए अपनी जिम्मेदारी एवं भूमिका निभाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी अपना दायित्व पूर्ण ईमानदारी से निभायें जिससे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके। बैठक में राजस्थान युवा बोर्ड सचिव कैलाश चंद पहाड़िया, आर्ट ऑफ लिविंग के समन्वयक विवेक अग्रवाल एवं समस्त अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

41 बार स्वेच्छा से रक्तदान करने व लॉक डाउन में ग़रीबो की मदद करने पर समीर मलिक सम्मानित

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न मिसाइल मैंन पूर्व भारत के राष्ट्रपति मरहूम डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम साहब की जयंती पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में समीर मलिक को 41 बार स्वेच्छा से रक्तदान किए कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। इससे मलिक के चाहने वालो में ख़ुशी की लहर दौड़ गई।

यह कार्यक्रम भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर स्थित किया गया । सम्मान समारोह भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती की अध्यक्षता में प्रदेश भर से आए विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभावान विभूतियों को प्रशस्ति पत्र देकर व शाल उड़ाकर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सांसद माननीय A P A कुट्टी साहब, भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोती लाल मीणा, भाजपा अ स मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एच खान, राष्ट्रीय भाजपा अ स मोर्चा सदस्य मजीद मलिक कमांडो, मोर्चा प्रभारी अजय पाल सिंह, मोर्चा प्रदेश महामंत्री जावेद कुरैशी, अन्य पूर्व बोर्ड चेयरमैन, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम सादिक साहब सहित प्रदेश पदाधिकारी व अन्य जिलों से आए मोर्चा जिला अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि समीर मलिक ने लॉक डाउन में गरीबो को भूखा सोने नही दिया मोबाइलों का रिचार्ज करवाया मास्क वितरण किया खाद्य सामग्री वितरण की गरीबो के आंसुओं को पोछकर उनकी आर्थिक मदद कर उनके चेहरे पर हंसी लेकर आए थे।

ग्राम लोचूकावास में सेवा पर्व पखवाड़ा शिविर का हुआ आयोजन

-55 किसानों के खाते हुए शुद्ध

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत निठारा के ग्राम लोचुकाबास मे गुरुवार को सेवा पर्व पखवाड़ा शिविर के तहत ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन हुआ। इस अवसर शिविर में आमजन की समस्या निस्तारण के साथ किसानों से संबंधित कार्य हुए। शिविर में 55 किसानों के खाता शुद्धिकरण, किसान बीमा योजना में 5,जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र 10, मुख्यमंत्री मंगल पशु योजनाअंतर्गत 2,विश्वकर्म योजना में 1, सेफ्टी टैंक योजना की मरम्मत के 2, किसान गिरदावरी ऐप डाउनलोड 75 सहित अन्य कार्य हुए।

शिविर में एसडीएम संजीव खेदड़,तहसीलदार नीलम राज बंसीवाल,भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं एससी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गणपत वर्मा ने शिविर का अवलोकन किया। किसान बीमा योजना में स्वीकृत पत्रों का वितरण किया! अतिरिक्त विकास अधिकारी राजेश शर्मा, गिरदावर मदनलाल मीणा,पटवारीजितेंद्र पारीक, मामराज वर्मा, प्रियंका जांगिड़,सरपंच प्रतिनिधि सुभाष वर्मा, एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें।

नवीन आपराधिक कानून और एआई: पुलिस प्रदर्शनी में ज्ञान मंथन जारी

-एआई चुनौतियाँ, फोरेंसिक साक्ष्य और जेल सुधारों पर पुलिस अधिकारियों, प्रशिक्षुओं व विशेषज्ञों का विशेष सत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन आपराधिक कानूनों के अमल में आने के बाद पुलिस की तैयारी भी बदल रही है। नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और लोक जागरूकता के लिए आयोजित की जा रही पुलिस प्रदर्शनी के अंतर्गत पुलिस अधिकारियों और विभिन्न कानूनी हितधारकों के लिए ज्ञानवर्धक सत्रों की एक श्रृंखला चल रही है। इन विशेष सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर फॉरेंसिक साक्ष्य, कानून प्रवर्तन की आधुनिक चुनौतियों पर देश के शीर्ष विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा की जा रही है। जिसका उद्देश्य पुलिस बल को नए कानूनी और तकनीकी युग के लिए पूरी तरह से तैयार करना है। इन तकनीकी सत्रों की मॉनिटरिंग खुद एडीजी और आरपीए निदेशक एस. सेंगाथिर कर रहे हैं।

पुलिसिंग में एआई की चुनौतियों पर हुआ मंथन

तकनीकी सत्रों की शुरुआत नवीन तकनीकों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विषय पर आयोजित सत्र से हुई। इंडिपेंडेंट रिसर्चर क्षितिज वर्मा ने एआई की वर्तमान स्थिति और पुलिसिंग में इसके अनुप्रयोगों पर जानकारी दी। सत्र में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस एवं एसओजी वी. के. सिंह ने पुलिस कार्यप्रणाली में एआई के उपयोग तथा नवीन कानूनों के आलोक में आने वाली चुनौतियों का सामना करने पर अपने विचार रखे। इस महत्वपूर्ण इंटरेक्शन में निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी एस. सेंगथिर, आईजी एससीआरबी अजय पाल लाम्बा, निदेशक इंटेलिजेंस प्रशिक्षण अकादमी प्रदीप मोहन शर्मा और उपमहानिरीक्षक पुलिस एसओजी परिस देशमुख सहित लगभग 160 पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

फोरेंसिक पर हुआ संवाद

अगली कड़ी में नवीन आपराधिक कानून तथा एफएसएल की भूमिका पर एक पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया। इस सत्र में प्रशिक्षु आरपीएस अधिकारियों तथा नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। पैनल में डायरेक्टर एफएसएल, जयपुर अजय शर्मा, सेवानिवृत्त डायरेक्टर एफएसएल एस. एस. डागा और कैंपस डायरेक्टर एनएफएसयू राखी अग्रवाल शामिल थे। विशेषज्ञों ने एफएसएल की बदलती भूमिका पर प्रकाश डाला और 120 प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनके साथ गहन संवाद किया।

जेल सुधार और कानूनी प्रावधानों पर चर्चा

बीकानेर रेंज के पुलिस अधिकारियों तथा जेल विभाग के अधिकारियों का एक विशेष पैनल डिस्कशन आयोजित हुआ। इसमें महानिरीक्षक जेल, जयपुर विक्रम सिंह ने नवीन कानूनों तथा जेल सुधारों के लिए अपनाए जा रहे नवाचारों के संबंध में जानकारी दी। इस सत्र में 190 अधिकारियों ने भाग लिया।

नवीन कानूनों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों पर हुई गहन चर्चा

गुरुवार को उदयपुर रेंज के पुलिस अधिकारियों का सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में नवीन कानूनों के प्रमुख प्रावधानों, तकनीकी और फॉरेंसिक साक्ष्य विषय पर चर्चा हुई। सहायक निदेशक अभियोजन रमेश चौधरी और पुलिस निरीक्षक धीरज वर्मा ने विधिक प्रावधानों पर चर्चा की। इस सत्र में कांस्टेबल से लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर तक के 180 अधिकारियों ने भाग लिया, जहाँ उन्होंने नवीन कानूनों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

राहुल को भारत लाने में पैसे की कमी आड़े नहीं आने देंगे - विधायक यादव

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कज़ाख़ में उपचाराधीन शाहपुरा निवासी युवक राहुल घोषलिया की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे एयरलिफ्ट कर भारत लाने की मुहिम को अब जनआंदोलन का रूप मिल रहा है। इस मानवीय अभियान में विधायक मनीष यादव स्वयं आगे आए हैं। उन्होंने न केवल ₹1 लाख की राशि देकर पहल की, बल्कि आमजन से भी सहयोग की भावनात्मक अपील की है। इस बीच RANA संस्था के अध्यक्ष प्रेम भंडारी जी ने भी बड़ी पहल करते हुए एयरलिफ्ट के कुल खर्च की आधी राशि वहन करने की जिम्मेदारी उठाई है। प्रेम भंडारी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट (X) पर कहा कि सरकार को इस दिशा में तुरंत संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और ICWF से सहायता राशि जारी करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि सरकार आगे नहीं आती है तो एयरलिफ्ट का आधा खर्च RANA संस्था स्वयं उठाएगी। इस पर विधायक मनीष यादव ने अपने X हैंडल से जवाब देते हुए लिखा की अगर सरकार आधी राशि का भुगतान नहीं करती है तो एयरलिफ्ट की शेष राशि की व्यवस्था परिजन, मैं स्वयं और क्षेत्र की जनता जनसहयोग के माध्यम से करेंगे। राहुल को भारत लाने में पैसे की कमी आड़े नहीं आने देंगे। विधायक यादव ने इसके तुरंत बाद राहुल की माता के खाते में ₹1 लाख की राशि जमा कर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए आमजन से मदद और प्रार्थना की अपील की। दोपहर बाद उन्होंने प्रेम भंडारी जी से दूरभाष पर वार्ता कर एयरलिफ्ट की आधी राशि जनसहयोग से जुटाकर सुपुर्द करने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि आप तो तैयारी कराओ पैसे की जिम्मेदारी हमारी है। गौरतलब है कि राहुल पिछले कई दिनों से कज़ाख़ में वेंटिलेटर पर जीवन की जंग लड़ रहा है।विधायक मनीष यादव ने तक़रीबन 1:30 बजे मुख्यमंत्री से मुलाक़ात कर राहुल की स्थिति, परिवार की व्यथा और एयरलिफ्ट व्यवस्था के विषय में विस्तार से जानकारी दी तथा राज्य सरकार से आधी राशि वहन करने का आग्रह किया। गोरतलब है कि विधायक यादव लगातार 3 दिन से मुख्यमंत्री से मिलने हेतु संपर्क कर रहे थे, जिसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से गुरुवार को बुलावा प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस मामले पर प्रयास करने का आश्वासन दिया है। विधायक यादव ने कहा कि यह केवल एक विद्यार्थी की नहीं, बल्कि एक बेटे की ज़िंदगी बचाने की अपील है। राहुल को लाने में पैसे की कमी कभी बाधा नहीं बनेगी। राहुल की जीवन रक्षा के लिए एक एक क्षण महत्वपूर्ण है, उसे तुरंत एयरलिफ़्ट कर भारत लाकर उचित इलाज करवाया जाए।

नगर निगम ग्रेटर द्वारा मिशन मोड पर किया जा रहा सड़कों की पेच मरम्मत का कार्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली पर्व के मध्यनजर अग्निशमन शाखा, स्वास्थ्य शाखा, गैराज शाखा, उद्यान शाखा द्वारा एक्टिव मोड में किये जा रहे कार्यो के साथ-साथ इंजीनियरविंग द्वारा भी आमजन को राहत देने एवं सुगम यातायात के तहत क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के उद्देश्य से मुख्य मार्गों, कॉलोनियों की सड़के जो कि बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी उन सभी सड़कों की पेच मरम्मत का कार्य मुख्यालय एवं जोन स्तर पर मिशन मोड पर किया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम ग्रेटर द्वारा 6 करोड़ 30 लाख रूपये स्वीकृत किये गये थे। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि आमजन को राहत देने के उद्देश्य से एवं दीपोत्सव पर्व के अवसर पर बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का सर्वे करवाकर एक्टिव मोड में पेच मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण एवं तय मापदण्डों के अनुसार कार्य करने के निर्देश भी दिये गये है। सर्वे के दौरान 86.47 किमी सड़के क्षतिग्रस्त मिली थी जिनमें से लगभग 45 किमी सड़कों की मरम्मत की जा चुकी है। दीपोत्सव पर्व को लेकर भी मुख्य बाजारों में पेचवर्क का कार्य जारी है उन्हें दीपावली से पूर्व पूर्ण कर दिया जायेगा। आमजन को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसके लिये रात्रि में भी मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने आरएएस में चयनित अभ्यर्थियों से मुलाकात कर दी बधाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरकारी नौकरी सेवा का बहुत बड़ा माध्यम है। आम जन बहुत विश्वास से अपने कार्य के लिए सरकारी कार्यालय जाता है। उसे सही दिशा मिल जाए तो उसके परिवार, गांव, क्षेत्र की बड़ी समस्या दूर हो जाती है। आप लोगों ने मेहनत और समर्पण से सफलता अर्जित की है जिसमें कहीं न कहीं आपके परिवार, गुरूजन या किसी अन्य सदाशय व्यक्ति का सहयोग रहा होगा। अपने राजकीय दायित्व से परे भी कमजोर और विकास की दौड़ में पिछड़े कम से कम 1 परिवार का जीवन संवार कर "गिव बैक टू सोसायटी" की भावना को साकार करें। सदैव राष्ट्र सेवा को प्रथम रखें। राजस्थान प्रशासनिक सेवा—2023 में चयनित हुए राज्यभर से आए हुए अभ्यर्थियों से बातचीत करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने उन्हें यह प्रेरणा दी। इस दौरान दूदू विधानसभा क्षेत्र से भी सफल अभ्यर्थी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री ने चयनित हुए सभी अभ्यर्थियों से आत्मीय भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की।

जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा ने डांगरवाड़ा खुर्द में दो सड़कों का किया शिलान्यास

जमवारामगढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत लागडी वास के डांगरवाड़ा खुर्द में जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा के द्वारा दो सड़कों का शिलान्यास किया गया। St मोर्चा महामंत्री जमवारामगढ़ पूरण मीणा क्यार ने बताया कि डांगरवाड़ा खुर्द क्यार राहुरी रोड से राहुरी तक एवं नायला रोड से बटवाडी सिसयाली ढाणी तक रोड को जेडीए के द्वारा बनाया जाएगा। लोगों का कई वर्षों का इंतजार हुआ खत्म लोगों के चेहरे पर खुशी झलक उठी भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक साहब को तलवार भेंट की और 21 किलो की माला से स्वागत किया। मौके पर सरपंच बिमला देवी, पंचायत समिति प्रत्याशी मनफूली देवी, पंचायत समिति सदस्य हीरालाल, पूर्व सरपंच लक्ष्मी नारायण शर्मा, पूर्व शर्मा सीताराम छापोला, जगदीश नानपुरा, रामकरण, दीपक सैन, हीरालाल, रामजी, कृष्ण शर्मा, दुर्गा लालजी मौजद रहे।

जयपुर जिले में 60 दिवसीय "टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन - 3.0" में होंगी विभिन्न जागरूकता गतिविधियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। "टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 3.0" की 60 दिवसीय कार्ययोजना के अंतर्गत जयपुर जिले में तम्बाकू निषेध के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर (प्रथम) डॉ. रवि शेखावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर (द्वितीय) डॉ. मनीष मित्तल ने मीडिया को बताया कि कैम्पेन आगामी 08 दिसंबर तक संचालित किया जाएगा। "टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 3.0" की 60 दिवसीय कार्ययोजना के अंतर्गत जिले में अन्य तम्बाकू निषेध गतिविधियों के साथ ही जन-जागरुकता कैम्पेन का आयोजन किया जाएगा। इसमे कोटपा एक्ट के प्रावधानों के अनुसार प्रतिबंधित स्थानों पर तम्बाकू का विक्रय-सेवन पर रोक लगाने के लिए चालान की कार्यवाही की जायेगी। साथ ही सामुदायिक स्तर पर इसके प्रति जन-जागरुकता विकसित करने संबंधित विविध गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में स्कूलों, ग्राम पंचायत भवनों, शैक्षणिक- चिकित्सा संस्थानों इत्यादि को तम्बाकू मुक्त करने के लिये निर्धारित किये गये मापदण्डों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। कोटपा उल्लंघन पर चालान कार्यवाही, ग्राम, ब्लॉक व जिला स्तर पर विद्यार्थियों की वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन, नारा लेखन, जिला व ब्लॉक स्तर पर रैलियों का आयोजन कर तम्बाकू के दुर्व्यसन के प्रति आमजन को जागरूक किया जाएगा।

बड़े ही खुश नसीब होते हैं वह लोग जो खुदा के घर का दीदार करने जाते हैं - यादव

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व सरपंच खेमचंद यादव एडवोकेट ने कहा कि बड़े ही खुशनसीब है वह लोग जो खुदा के घर का दीदार करने जाते हैं । यादव ने यह शब्द जयपुर के भट्टा बस्ती में हाजियों का स्वागत करने के बाद में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहे । यादव ने कहा कि सभी मुसलमानो का यह अरमान होता है कि वह अपने जीवन में कम से कम एक बार उमराह/हज पर जरूर जाएं। यादव ने कहा कि हाजियों को हज के दौरान लाखों करोड़ों नेकिया मिलती रहती है जिससे उनके सभी गुनाह माफ हो जाते हैं और वह ऐसे हो जाते है जैसे उसने अभी-अभी जन्म लिया हो। इस अवसर पर उमराह पर जाने वाले एडवोकेट बुनियाद शाह का फूल माला सांफ़ा आदि से स्वागत किया एडवोकेट आरीफ शाह ने बताया कि पापा को उमराह पर जाने से परिवार में ख़ुशी का माहौल है । एडवोकेट बुनियाद शाह ने बताया कि उमराह के नाम से हमको बहुत सुकून मिला है हमारी तबियत खुश हो गई है हमारा दिल व रोम रोम खुश है। शाह ने बताया कि वहां पर इतना सुकून मिलता है कि वापस आने का मन ही नहीं करेगा। शाह ने यह भी बताया कि वहां की अजान नमाज काबा का वो दिलकश नजारा आंखों के सामने होगा तो दिल बाग बाग हो जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सरपंच खेमचंद यादव एडवोकेट, पार्षद जाहिद निर्बाण, फततू हकीम मुमताज़, मनोहरपुर नवाब गुलाबनबी, धानोता बनवारी लाल बोचलिया, एडवोकेट इरफान पठान, गनी रूंडल, पप्पू शाह, वार्ड अध्यक्ष इस्लाम नागोरी, हफिज खान पहाड़ियांन, बुन्द इदू कालू बिलानदरपुर बुन्द इदू , भैंसावा गुलजारी, खोरा लाडखानी ,असगर बैनाड व रिश्तेदारों दोस्तो समाज के लोगों ने मुबारकबाद दी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

कांग्रेस कार्यालय में संगठन सर्जन अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

-ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सुभाष चौपडा ने परिचर्चा की

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में कांग्रेस के संगठन सर्जन अभियान के तहत आयोजित हुई बैठक में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी प्रभारी सुभाष चौपडा ने कार्यकर्ताओं से परिचर्चा की। उन्होने कहा कि हमारे नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे व नेता राहुल गांधी ने यह अभियान कार्यकर्ताओं के सम्मान और एकजुट होकर कार्य किए जाने के लिए ही चलाया है। प्रभारी सुभाष चौपडा ने कहा कि कार्यकर्ताओं की राय और उनकी भावनाएं जानने के लिए उन्हे आपके बीच भेजा है। चौपडा ने कहा कि भाजपा देश मे नफरत फैलाकर भाईचारा खत्म करना चाहती है जो देश की जनता कभी नही करने देगी। बैठक में कार्यकर्ताओं ने चूरू विधानसभा क्षेत्र की राय के लिए एकजूट होकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया को अधिकृत किया इस पत्र का वाचन पूर्व उप

जिला प्रमुख सोहन मेघवाल ने किया। रफीक मंडेलिया ने कहा कि अधिकृत करने के उपरांत भी आप प्रभारी से व्यक्तिगत तौर पर मिलकर अपनी राय दे सकते है। उन्होने कहा कि पार्टी आलाकमान का फैसला होगा वो हमें स्वीकार्य है। इस अवसर पर वरिष्ठ विधायक नरेन्द्र बुडानिया, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी डॉ. राजेन्द्र मुण्ड, प्रदेश प्रभारी रामनिवास बीडोदी, जिला अध्यक्ष इन्द्राज खिचड, पीसीसी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांधू ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन अग्रिम संगठन प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस दौरान पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, निवर्तमान सभापति पायल सैनी, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, मो. हुसैन निर्बाण, रमजान खान, कमला पुनियां, अबरार खां, संजय दीक्षित, सुनिता कपुरिया, लालचंद सैनी, नारायण बालाण हेमन्त सिहाग, उम्मेद सिंह, दीपिका सोनी, प्यारेलाल दानोदिया, बालीबाई, शिवकुमार शर्मा, सोयल डीके, रतनलाल जांगिड, अली मो. भाटी, अजीज खान, संजय भाटी, असलम खां मोयल, शाहरूख खान, तोफिक खान आबिद जाबासरिया सहित सैकडों कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजुद रहें।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्रामीण सेवा शिविरों का किया निरीक्षण

मोहम्मद यासीन

पाली/सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरूवार को पाली जिले के सुमेरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोरटा एवं सलोदरिया के ग्रामीण सेवा शिविरों का अवलोकन किया। कोरटा/सलोदरिया के ग्रामीण सेवा शिविर में मंत्री जोराराम कुमावत ने अवलोकन कर विभिन्न विभागों के काउंटरों का निरीक्षण किया तथा वहां चल रही गतिविधियों की अधिकारियों से जानकारी ली। कुमावत ने प्रत्येक विभाग की स्टॉल पर जाकर अधिकारियों और ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होनें सम्बंधित अधिकारियां को निर्देश दिए कि वे इन शिविरों में परिवेदनाओं को गंभीरता से सुने और उनका त्वरित निस्तारण कर सम्बन्धित को राहत प्रदान करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि राज्य की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचे और कोई भी पात्र व्यक्ति इससे वंचित न रहे। सेवा शिविरों के माध्यम से शासन और प्रशासन जनता तक सीधी पहुँच बनाकर पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा इन शिविरों के माध्यम से आमजन की लंबित समस्याओं का निस्तारण कर उन्हे विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप इन ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कर त्वरित राहत दी जा रही है। शिविरों में आम नागरिक केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि आमजन अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज के गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को इन शिविरों तक लाएं, जिससे उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। कुमावत ने कहा कि इन सेवा शिविरों में 16 विभागों को शामिल किया गया है, जहां सम्बंधित विभाग के अधिकारी न केवल योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं बल्कि आमजन की लंबित समस्याओं का भी त्वरित निस्तारण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा भी यही है कि कई बार आमजन को अपने-अपने छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी कार्यालयों में चक्कर काटना पड़ता है, इसलिए एक ही मंच पर और एक ही स्थान पर सभी

विभाग समन्वय के साथ आम लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें। ग्राम सलोदरिया में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणधीन 75000 लीटर क्षमता की पानी की टंकी का निरीक्षण किया गया मौके पर गुणवत्ता व निर्माण सम्बन्धित जानकारी ली साथ ही समय पर गुणवत्तापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग से जुड़े काम जैसे नाम शुद्धिकरण, नामांतरण, बंटवारा विवाद आदि काम वर्षों से अटके हुए हैं, जिनका त्वरित निस्तारण इन शिविरों में हो रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ भी मौके पर ही प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र कृषि और पशुपालन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां की अधिकांश आबादी कृषि और पशुपालन पर निर्भर है इसलिए उन्होंने इन विभागों की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने पशुपालकों से मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना का लाभ उठाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के लिए 1 अक्टूबर, 2025 से मंगला पशु बीमा योजना का पंजीयन चालु कर दिया गया है इसलिए अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाएं। कार्यक्रमों में मंत्री कुमावत ने पशुपालकों को मंगल पशु बीमा योजना की पॉलिसी, आवासीय पटटों का भी वितरण किया।

शिविरों में ये रहे मौजूद

गजेन्द्रसिंह सरपंच कोरटा, पूनमसिंह परमार जिला उपाध्यक्ष, जोगाराम रोहिन, शेरसिंह उप सरपंच कोरटा, सलोदरिया सरपंच परबतसिंह राणावत, दुदाराम माली उप सरपंच, महेंद्रसिंह, कालूराम कुम्हार उपखण्ड अधिकारी, प्रमोद दवे विकास अधिकारी पंचायत समिति, दिनेश आचार्य तहसीलदार खेमराज बेरवा सहायक अभियंता जलदाय विभाग आदि मौजूद थे।

दिव्यांग प्रियंका को शिविर में मिली व्हील चेयर

-सरकार की जन-जन की सेवा हुई साकार

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के सेवा पर्व पखवाड़ा के तहत बुधवार को वार्ड 19 व 20 स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय 6 जीजीआर में आयोजित शहरी सेवा शिविर दिव्यांग प्रियंका के लिए संबल लेकर आया। वार्ड 12 निवासी प्रमोद कुमार अपनी बेटी प्रियंका के साथ शिविर में पहुंचे, जहां सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने संयुक्त सहायता उपकरण योजना के तहत प्रियंका को तत्काल व्हील चेयर प्रदान की। व्हील चेयर पाकर प्रियंका और उनके परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने राज्य सरकार और विभागीय कार्मिकों का आभार जताया। इस अवसर पर शिविर प्रभारी सुमित्रा छींपा और विभाग की कनिष्ठ लेखाकार ने प्रियंका को स्वीकृति प्रमाण पत्र व व्हील चेयर भेंट की।

अज्जू लुहार बने चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जनहित में संघर्षरत युवा नेता मोहल्ला लुहारान चूरू निवासी अज्जू लुहार को चूरू जिला कांग्रेस कमेटी (कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ) का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया तथा कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अज्जू लुहार ने कहा की में कांग्रेस पार्टी को ओर अधिक सशक्त एवं मजबूत करने में अपना योगदान प्रदान करूंगा।

एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने कांग्रेस कमेटी में अध्यक्ष पद के लिए किया आवेदन पत्र प्रस्तुत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर एनएसयुआई एवं भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय संयोजक तथा गुजरात महाराष्ट्र मध्यप्रदेश एवं पूर्व उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश प्रभारी तथा वर्तमान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से बीकानेर प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने संगठन सृजन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओर से केन्द्रीय पर्यवेक्षक तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व केबीनेट मंत्री, दिल्ली विधानसभा में पूर्व स्पीकर सुभाष चौपड़ा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन सृजन अभियान के प्रभारी पीसीसी उपाध्यक्ष विधायक हाकम अली खान, पीसीसी महासचिव डॉ. राजेंद्र मुंड, पीसीसी सचिव रामनिवास बिडोदी के समक्ष सर्किट हाऊस में अपने समर्थकों के साथ चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। एडवोकेट सद्दाम हुसैन एक दशक से अधिक समय से कांग्रेस पार्टी में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं तथा कांग्रेस पार्टी में बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के पदों पर पार्टी के द्वारा प्रदान किये गए उत्तरदायित्व का निर्वाहन कर चुके हैं। एडवोकेट सद्दाम हुसैन कुल 5 यूजी तथा 5 पीजी सहित कुल 10 डिग्री पूर्ण कर चुके हैं तथा निरंतर समाजसेवा एवं पार्टी की सेवा के साथ-साथ आगामी अध्ययन कार्य भी निरन्तर जारी रखें हुए है । एडवोकेट सद्दाम हुसैन कोरोना काल में जिला प्रशासन चूरू द्वारा चूरू जिले की समस्त सामाजिक संस्थाओं, सोसायटीयों, समितियों, ट्रस्टों, एनजीओ के जिला प्रभारी के रूप में भी उल्लेखनीय कार्य कर चुके हैं तथा इसके साथ-साथ एनएसएस व एनसीसी ए बी सी तीनों प्रमाण पत्र अण्डर आफिसर रैंक के साथ टू राज बटालियन एनसीसी चूरू में राजकीय लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय चूरू का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग में हिस्टो पैथोलॉजी प्रयोगशाला का शुभारंभ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम एम पुकार ने बताया कि रोगों का निदान और अध्ययन करने के लिए सूक्ष्मदर्शी के तहत ऊतकों और कौशिकाओं की जांच के लिए बनाई गई प्रयोगशाला में ही जांच का कार्य होगा जिससे अब सभी हिस्टोपैथोलॉजी जांचे महाविद्यालय परिसर में ही की जाएंगी जिन्हें पहले बाहरी संस्थानों को आउटसोर्स किया जाता था। उन्होंने कहा कि इससे रोगियों को तेज, सटीक और किफायती जांच सुविधा प्राप्त होगी। प्राचार्य ने बताया कि नियमानुसार यह लैब वर्ष 2018 में प्रारंभ होनी थी जो कि आज प्रारंभ हुई है, जबकि निर्धारित समय पर प्रारंभ नहीं होने के कारण एनएमसी नई दिल्ली ने कॉलेज को पेनल्टी स्वरूप नोटिस भी जारी किया था। प्राचार्य पुकार ने बताया कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम बुरड़क, हिस्टो पैथोलॉजी प्रभारी डॉ. अनुराधा सैनी, तकनीकी टीम रविकांत शर्मा, अभिषेक, भागीरथ और सूर्यप्रकाश के अथक प्रयासों से स्थापित की गई है। इस अवसर पर डॉ. रामकांत वर्मा, डॉ. हनुमान जैपाल, डॉ. गजेंद्र सक्सेना, डॉ. दिनेश मील, डॉ. आरपी आचार्य, डॉ. तपस्या, डॉ. सोनम सिंह, डॉ. मीनाक्षी व डॉ. नदीम, आदि एवं महाविद्यालय प्रतिनिधि अस्पताल के विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

याशिका कच्छवाह का आरएएस में हुआ चयन

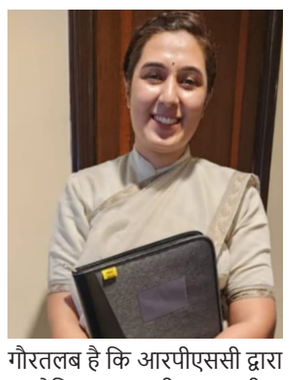

पाली (रॉयल पत्रिका)। आरपीएससी द्वारा आयोजित आरएएस परीक्षा 2023 के बुधवार को घोषित परिणाम में पाली जिले के रानी नगर निवासी याशिका कच्छवाह पुत्री विरेन्द्रसिंह उर्फ विपिन कच्छवाह का 105 वीं रैंक के साथ अंतिम रूप से चयन हुआ है। याशिका का प्रथम प्रयास में ही चयन हो गया। याशिका के स्वर्गीय दादा रानी नगरपालिका के पूर्व चेयरमेन व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे है। कच्छवाह के चयन की जानकारी मिलने पर कस्बेंवासियों ने खुशी जाहिर की। गौरतलब है कि आरपीएससी द्वारा आयोजित 2024 की मुख्य परीक्षा में भी याशिका इंटरव्यू के लिए क्वालीफाई हुई है।

स्वदेशी को अपनाएं, ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाएं — कलक्टर पीयूष समारिया

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। महिला सशक्तिकरण और स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के उद्देश्य से गुरूवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की महिलाओं द्वारा कलक्ट्रेट परिसर में स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। कलक्टर पीयूष समारिया ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा महिलाओं से उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग और बाजार में बिक्री की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। कलक्टर ने सभी महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महिलाओं द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि कोटा वासियों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने की दिशा में आगे आना चाहिए और राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों को खरीदकर एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन

का माध्यम है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) अनिल सिंघल ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कहा कि राजीविका से जुड़ी महिलाएं अपने हुनर को विभिन्न मंचों पर प्रदर्शित करें ताकि अन्य महिलाएं भी इससे प्रेरित होकर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की अधिक से अधिक खरीद कर ग्रामीण विकास में सहभागिता निभाएं। राजीविका की डीपीएम नेहा चतुर्वेदी ने बताया कि कोटा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 7,000 स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं। इनमें जुड़ी महिलाएं खाद्य सामग्री, हर्बल उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन, दैनिक उपयोग की वस्तुएं एवं हस्तनिर्मित सामान तैयार कर अपनी आजीविका चला रही हैं। प्रदर्शनी में दिए, गिफ्ट हैंपर, हवन कप्स, हर्बल हेयर ऑयल, हर्बल सोप, फेस पैक, डायरी, हैंड बैग्स सहित अनेक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। राजीविका द्वारा संचालित सिटी मॉल के पालिका बाजार की दुकान नंबर 716 पर ग्रामीण महिलाओं के बनाए सभी उत्पाद उपलब्ध हैं, जहाँ से नागरिक इनका क्रय कर ग्रामीण आजीविका संवर्धन में सहयोग दे सकते हैं। कलक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल परंपरा का सम्मान नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम है।

रेहाना रियाज चिश्ती ने उत्तराखंड में संगठन के विस्तृत कार्यों की रिपोर्ट सौंपी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री रेहाना रियाज़ चिश्ती एवं राजस्थान महिला आयोग अध्यक्ष और उत्तराखंड प्रभारी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित AICC अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में संगठन महासचिव एवं लोकसभा सांसद के. सी. वेणुगोपाल से मुलाकात कर उन्हें संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तराखंड में मेरे प्रभार क्षेत्र में किए गए कार्यों व गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा, लोकसभा सांसद एस. सैंथिल, तथा CWC सदस्य वामशी रेड्डी भी उपस्थिति रहे। मीटिंग में उत्तराखंड में संगठन के विस्तार, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के सशक्तिकरण, और आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, अभियान के तहत क्षेत्र में की गई पहल, जनसंपर्क और बूथ सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर फीडबैक प्रस्तुत किया।

विश्व खाद्य दिवस पर कृषि महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका) जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशन एवं सीइओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के मार्गदर्शन में अंता विधानसभा उपचुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ोतरी हेतु स्वीप कार्यक्रम अन्तर्गत सीसवाली के माता भगवती देवी देव संस्कृति महिला महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जन को मतदान की शपथ दिलाते हुए मतदान द्वारा लोकतंत्र को सशक्त करने में अपना योगदान सुनिश्चित करने की बात कही ,वही प्राचार्य डॉ डोली माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन की आवश्यकता के साथ मतदान का महत्व बताते हुए लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने की बात कही, प्रभारी भार्गव ने नव मतदाताओं को प्ले स्टोर से "वोटर हेल्पलाइन, सिविजिल, एवं केवाईसी एप "डाउनलोड करवाया एवं अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर बैठे वोटर हेल्पलाइन एप या निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल voters.eci.gov.in पर फॉर्म 6 के तहत मतदाता सूची में पंजीयन करने एवं फॉर्म 8 से वोटर आईडी में किसी भी प्रकार के संशोधन को ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी गयी वही वीएचए द्वारा ईपिक नंबर या ईपिक पर दिए गए बार व क्यूआर कोड या अपने मोबाइल नंबर की सहायता से मतदाता सूची में अपना नाम देखने तथा अपने मतदान केंद्र का पता करने की जानकारी भी दी गई ,साथ ही सी विजिल ऐप द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत पर 100 मिनट के अंदर समाधान प्राप्त करने के बारे में बताया एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में समझाया गया ।

रंगोली में संजोया जागरूकता का संदेश

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोली में निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशन वोटर हेल्पलाइन, सीविजील ऐप को दर्शाते हुए"तथा " 11 नवंबर नोट करें निर्भय होकर वोट करें" जैसे जागरूकता संबंधी नारों के साथ आमजन को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ईएलसी प्रभारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मौर्य, सहा प्रोफेसर कुणाल गौतम, नरोत्तम नागर, स्टाफ सदस्य, स्वीप सदस्य रामचरण मीणा तथा ईएलसी सदस्य मौजूद रहे ।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। पोषण अभियान के अंतर्गत मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन बुधवार को सूचना केंद्र सभागार में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी झुंझुनू कौशल्या विश्नोई रही, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और पोषण व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर दो महिलाओं की गोदभराई रस्म, दो बच्चों का अन्नप्राशन एवं दो बच्चों का शाला प्रवेशोत्सव संपन्न कराया गया। वहीं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अलसीसर सीडीपीओ अमिता गेट एवं नवलगढ़ सीडीपीओ संदीप सहित जिले की सुपरवाइजरों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक बिजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान राज्य, जिला, परियोजना और आंगनवाड़ी स्तर तक सामुदायिक सहभागिता के साथ थीम आधारित गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इस वर्ष पोषण माह की प्रमुख थीमें हैं — मोटापा नियंत्रण (कम नमक, कम चीनी, कम तेल), प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (पोषण भी पढ़ाई भी), शिशु एवं बाल आहार प्रथाएँ, पुरुष सहभागिता तथा स्थानीय भोजन को बढ़ावा देना।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत आवेदन हेतु विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्योला, सांख्यिकी विभाग की उपनिदेशक पूनम कटेवा, अतिरिक्त कोषाधिकारी प्रेरणा कालेर एवं प्रियंका लाम्बा सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कानोता डैम की पुलिया पर ओवरलोड ट्रैक्टरों का आवागमन जारी

कानोता (रॉयल पत्रिका)। कानोता डैम की पुलिया पर ओवरलोड साधन आना माना है। उसके बावजूद भी ट्रैक्टर वाले पत्थरों को आगे पीछे करके ट्रैक्टरों को निकाल कर ले जाते हैं। जिससे कभी जनहानि होने का डर लगा रहता है। टनों के हिसाब से पत्थर भरे हुए होते हैं हमेशा अपनी जान जोखिम मैं डालते रहते हैं।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा सम्मेलन आयोजित

-जीएसटी सुधारों, आत्मनिर्भर भारत और लोकल फॉर वोकल पर हुआ विस्तृत विचार-विमर्श

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को एक ऐतिहासिक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल के सानिध्य में होटल दाता ईन, श्रीनगर रोड में संपन्न हुआ। इसमें क्षेत्र के व्यापारीगण, उद्योगपति, समाजसेवी एवं विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सम्मेलन का उद्देश्य व्यापारिक वर्ग को केंद्र व राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों से अवगत कराना, जीएसटी सुधारों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना और आत्मनिर्भर भारत व लोकल फॉर वोकल की भावना को जन-जन तक पहुँचाना था। इस विधायक सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जीएसटी रिफार्म, व्यापारिक नीतियाँ, आत्मनिर्भर भारत अभियान, और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा व्यापारिक वर्ग को नए अवसरों की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जीएसटी सुधारों से व्यापार और उपभोक्ता दोनों को मिला लाभ-भदेल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भदेल ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने व्यापारियों और उपभोक्ताओं, दोनों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए सुधारों से कर प्रणाली सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनी है। भदेल ने बताया कि अब तक 400 से अधिक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी की गई है। जो वस्तुएँ पहले 28 प्रतिशत या 18 प्रतिशत के उच्च स्लैब में थीं, वे अब 12 प्रतिशत, 5 प्रतिशत या 0 प्रतिशत की श्रेणी में लाई गई हैं। इन सुधारों से आम उपभोक्ता का खर्च घटा है और व्यापारी वर्ग के लिए कारोबार करना अधिक सहज हुआ है। उन्होंने कहा, "व्यापारिक समुदाय को चाहिए कि वे इन सुधारों की जानकारी आमजन तक पहुँचाएँ। यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि हम सबका सामूहिक दायित्व है कि जनता तक इन जनहितैषी निर्णयों का लाभ पहुँचे।"

एडीजे रवि प्रकाश सुथार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थित पालना गृह का किया निरीक्षण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर द्वारा बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पदमपुर में स्थित पालना गृह का निरिक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पालना ग्रह में व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा पालना गृह में नियुक्त कर्मचारी के बारे में जानकारी ली गई। इस दौरान पालना गृह के अंदर तापमान नियत्रण के लिए हवा हेतु पंखा इत्यादि की कोई व्यवस्था नहीं पाई गई। पालना गृह के प्रचार-प्रसार हेतु अस्पताल के बाहर कोई फ्लेक्स बोर्ड के नहीं लगे होने पर चिकित्सा प्रभारी पदमपुर को निर्देशित किया गया कि अस्पताल के बाहर पालना गृह के प्रचार प्रसार हेतु फ्लेक्स बोर्ड लगाया जाए ताकि इससे आमजन जागरूक हो सके। पालना ग्रह में हवा के लिए दीवार पंखा लगाए जाने, हेतु निर्देश प्रदान किए गए। इस दोरान एडीजे सुथार ने बताया कि पालना गृह में कोई भी अज्ञात या अनचाहा शिशु या लावारिस अवस्था में मिला शिशु, पालना बाक्स में लगी खिड़की से छोड़ कर जा सकता है। पालना गृह में शिशु को छोड़े जाने वाले के बारे में किसी भी प्रकार की अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच या पूछताछ नहीं की जाएगी और ना ही शिशु छोड़े जाने वाले पर कोई रिपोर्ट दर्ज करवायी जाएगी। पालना गृह में छोड़े जाने वाले शिशु को तुरंत मेडिकल सुविधा उपलब्ध करवाई जाकर संबंधित बाल कल्याण समिति को सूचना दी जाएगी तथा शिशु के स्वास्थ्य संबंधी कार्यवाही तुरंत अस्पताल प्रशासन द्वारा की जाएगी। इस दौरान एडीजे सुथार ने बताया कि पालना ग्रह में शिशु की दैनिक जरूरत का भी ख्याल रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पदमपुर से चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक भारद्वाज सहित चिकित्सालय का अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने लगाया आठवा पोषण मेला

-मोटे अनाज से बने व्यजंनों की प्रदर्शनी का जिला कलक्टर ने किया अवलोकन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन अष्टम राष्ट्रीय पोषण माह-2025 के अंतर्गत आठवें पोषण मेले का आयोजन बुधवार को अंध विद्यालय स्थित नागेश्वर हॉल में किया गया, जो 17 सितम्बर 2025 से 16 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होगा। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार थीम पर आयोजित मेले का शुभारंभ जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से पौष्टिक व्यंजनों की लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मोटे अनाज से बनाए गए व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहे। जिला कलक्टर ने सराहना करते हुए स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों के महत्व पर विशेष चर्चा करते हुए उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र पर आने वाली धात्री माताएं और पेरेंटस मीटिंग के दौरान इसकी गुणवत्ता के बारे में बताया। कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों की हाइट व वजन की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनके माता-पिता को भी जागरूक करें। जिला कलक्टर द्वारा मेले में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म की गई। जिला कलक्टर ने गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने और गर्भावस्था में पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी और सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। श्रीगंगानगर जिला नशा मुक्त अभियान के सहप्रभारी विक्रम ज्याणी एवं उनकी टीम द्वारा नशे पर आधारित नाटिका का मंचन भी किया गया, जिसमें नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। मेले में विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, महिला पर्यवेक्षक, सीडीपीओं सहित विभाग के कर्मचारियों और लाभार्थियों ने भाग लिया। विभाग में रॉकेट लर्निंग संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा मिशन बुनियाद कार्यक्रम के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर करवायी जाने वाली प्री स्कूल शिक्षा गतिविधियों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में बेटी बचाओ-बेटी पढाओं योजना के अन्तर्गत नव जन्मी बच्चियों से जिला कलक्टर द्वारा केक कटवाकर जन्मोत्सव मनाया गया।

जिला कलक्टर ने सेवा शिविरों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की ली समीक्षा बैठक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित हो रहे शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने शिविरों में हो रहे कार्यों की विभागवार समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवा शिविरों के माध्यम से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि सरकार दीपावली से पूर्व शहरी क्षेत्रों की सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक रोशनी एवं अग्निशमन वाहनों की व्यवस्थाओं के संबंध में संवेदनशील है। इसे देखते हुए नगरीय क्षेत्रों की राजकीय कार्यालयों, प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, सड़कों एवं चौराहों पर प्रकाश व्यवस्था के साथ सौंदर्यीकरण किया जाए। समस्त स्ट्रीट लाईटें कार्यशील हो। ढीले और टूटे विद्युत तारों की मरम्मत करवाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों, मुख्य मार्गों एवं पार्कों की सफाई दीपावली से पूर्व करवा लें। विभिन्न स्थानों पर रंगोली एवं सौंदर्यीकरण के कार्य भी होने चाहिए। दीपावली के दौरान आतिशबाजी एवं शॉर्टसर्किट के कारण आग लग सकती है। संभावित हानि से बचने के लिए अग्निशमन वाहनों, उपकरणों एवं सामग्री की जांच तथा मरम्मत पहले से करके रखे। नगरीय निकायों के अग्निशमन संशाधनों का उपयोग आवश्यकता होने पर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसून के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत दीपावली से पूर्व करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना आवश्यक है। विभिन्न कार्यालय भवनों की भी मरम्मत होनी चाहिए। इन भवनों का रंग-रोगन करवाने की व्यवस्था की जाए। भवनों के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ प्रकाश की सजावट भी होनी चाहिए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने समीक्षा बैठक में कहा कि पत्थरगढ़ी के पुराने प्रकरणों को खत्म करें। सीमाज्ञान संबंधी ऑनलाईन प्रकरणों का निस्तारण आगामी दो दिवसों में किया जाए।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यमक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेहट सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए की स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण योजनान्तर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयो का शीघ्र निर्माण करवाकर जिओ टैगिंग करवाई जावें। ग्रामीण सेवा शिविरों में प्राप्त आवेदन पत्रों का भौतिक सत्यापन करवाकर पात्र परिवारो के नाम पोर्टल पर जोडा जाकर, उनकी जिओ टैगिंग करवाई जावें। शौचालय से वंचित राजकीय विद्यालयों में शीघ्र सीएससी/शौचालय स्वीकृत कर निर्माण कार्य करवाये जाएं। जिला कलक्टर ने निर्देश दिये कि कचरा संग्रहण केन्द्र निर्माण के लिए जिन ग्राम पंचायतो में भूमि आवंरटन हो गया है, उन ग्राम पंचायतो में शीघ्र निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाये, साथ ही आवंटित भूमि पर अतिक्रमण हो रहा है तो ग्राम पंचायत अतिक्रमण को हटाकर आरआरसी का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाये। विभागीय भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं राजकीय विद्यालयों में शत-प्रतिशत शौचालयों का निर्माण करवाया जावें। स्वच्छ भारत मिशन योजना अन्तर्गत ठोस एवं तरल कचरा (एसएलडब्ल्यूएम) अन्तर्गत सामुदायिक सोक पिट, मैजिक पिट, लिच पिट के अन्तर्गत सामुदायिक कम्पोस्ट पिट, वाहन क्रय, सामुदायिक कचरा पात्र, कचरा संग्रहण केन्द्र, व्यक्तिगत कम्पोस्ट पिट/नाडेफ/वर्मी कम्पोस्ट की स्वीकृतियां जारी कर निर्माण करवाया जावें। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि सांसद एवं विधायक कोष से स्वीकृत कार्यो में जो कार्य प्रगतिरत है उनको अविलम्ब पूर्ण करवाया जावे, जो कार्य अप्रारम्भ है उनको शीघ्र प्रारम्भ करवाया जावें, पूर्ण हो चुके कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र व कार्य उपयोगिता प्रमाण पत्र शीघ्र भिजवाये जावें।

वन राज्यमंत्री ने देसूला पहुंचकर दिवंगत करण मल्होत्रा के शोक संतप्त परिवारजनों को बंधाया ढांढस

अलवर (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बुधवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम देसूला पहुंचकर दिवंगत करण मल्होत्रा की अपराधिक तत्वों द्वारा की गई हत्या पर दुख प्रकट कर शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाया। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने परिवारजनों को भरोसा दिलाया कि पुलिस गंभीरता से अपराधियों को गिरफ्तार करने का कार्य कर रही है, चार अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, बाकी अपराधियों को भी जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही की जाएगी। ऐसी घटना का सभ्य समाज में कोई स्थान नही, इस पर सख्त कार्रवाई कर अपराधियों को कड़ा संदेश दिया जाएगा।

डिस्ट्रीक्ट मिनरल फाउन्डेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) गवर्निंग काउंसिल की बैठक आयोजित

-खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर हुई चर्चा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। डिस्ट्रीक्ट मिनरल फाउन्डेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) गवर्निंग काउंसिल की बैठक बुधवार को रीट सभागार में आयोजित हुई। इसमें विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार की संकल्पबद्धता पर प्रकाश डाला। बैठक की अध्यक्षता जिला कलक्टर लोक बन्धु ने की। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि सभी स्वीकृत कार्यों को जनहित, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व में स्वीकृत शेष कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत करें एवं निरस्त कार्यों के कारणों की जानकारी भी दें। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में डीएमएफटी फंड के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी विकास कार्यों पर नियमानुसार व्यय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सीधे या परोक्ष रूप से खनन से प्रभावित हैं। इससे इन क्षेत्रों में जीवन स्तर में ठोस सुधार हो सकेगा। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा के उपरान्त विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया। बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, विद्यालयों में कक्षा कक्ष निर्माण एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर प्राथमिकता के साथ कार्य किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण प्रभावित विद्यालयों की मरम्मत एवं शैक्षणिक संस्थानों तथा चिकित्सा केंद्रों से संबंधित कार्यों को बजट घोषणाओं में प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ जनता तक समय पर पहुंचे, इसके लिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि जिले के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलित विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फंड के उपयोग में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार के अवसरों में वास्तविक सुधार दिखाई देगा।

वन विभाग द्वारा अवैध खनन पर कार्यवाही करते हुए 1 एलएण्डटी मशीन व 1 ट्रक किया जप्त

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। वन विभाग द्वारा अवैध खनन तथा वन अपराधों के विरुद्ध की जाने वाली कठोर कार्यवाही की श्रंखला में 14 व 15 अक्टूबर की रात लगभग 2 बजे उप वन संरक्षक धौलपुर वी चेतन कुमार के निर्देशन में गठित टीम तथा रेंज सरमथुरा स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से सरमथुरा के वनखण्ड रीझोनी क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रभावी नकेल कसने के दृष्टिगत 1 एलएण्डटी मशीन मय ट्रोला को अवैध खनन करते हुए तथा लकड़ी से भरा हुआ 1 ट्रक मौके पर जप्त किया जाकर विभागीय कार्यवाही की गई। उपवन संरक्षक द्वारा कार्यवाही के दौरान समुचित मॉनिटरिंग, दिशा-निर्देश देते हुए, जिला पुलिस अधीक्षक, से समन्वय स्थापित कर, समुचित पुलिस इमदाद भी मौके पर भिजवाई, जिससे कार्यवाही निर्विघ्न सम्पन्न हुई। कार्यवाही अवैध खनन के विरूद्ध वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे संघन अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत 1 सितम्बर से 12 अक्टूबर तक अवैध खनन व वन अपराध के विरुद्ध की गई कार्यवाही के तहत 3 ट्रक, 1 एल एंड टी मशीन, 1 ट्रोला, 1 हाइड्रा तथा 10 ट्रैक्टर जप्त किए गए हैं। उप वन संरक्षक ने बताया कि अवैध खनन तथा वन अपराधों की प्रभावी रोकथाम की दिशा में इस तरह की कार्यवाही नियमित रूप से जारी रहेगी और भविष्य में आधुनिक तकनीक ड्रोन एवं पीटीजेड कैमेरों का इस्तेमाल अवैध खनन की रोकथाम के लिए किया जाएगा। गठित टीम में सहायक वन संरक्षक चेतराम, रेंजर अरुण सोनी, चौथमल, देवेन्द्र सिंह, सहायक वनपाल अरुण गुर्जर, नीलेन्द्र सिंह, वनरक्षक मुरारी आदि मौजूद रहे।

मंत्री रावत दे रहे ग्रामीण शिक्षा को नई ऊर्जा और दिशा नदी

-2 राजकीय विद्यालय के क्रमोन्नयन और विकास कार्यों का मंत्री रावत ने किया लोकार्पण

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने आज पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नदी-2 स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में समग्र शिक्षा अभियान योजनांतर्गत 24.58 लाख रूपए की लागत से निर्मित करवाए दो कक्षा-कक्ष एवं बरामदे का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में ग्रामीणों और विद्यार्थियों में उल्लास का वातावरण रहा। बालिकाओं ने मंत्री रावत का पारंपरिक तिलक लगाकर एवं रक्षासूत्र बांधकर स्वागत किया, वहीं ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण से उनका भव्य अभिनंदन किया। ग्रामवासियों ने विद्यालय को उच्च माध्यमिक स्तर पर क्रमोन्नत कराने के लिए मंत्री रावत का विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने कहा कि रावत के प्रयासों से आज ग्रामीण शिक्षा को नई ऊर्जा और दिशा मिल रही है। मंत्री रावत ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य शिक्षा को सशक्त और सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि-"गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था ही समाज की प्रगति का आधार है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर विद्यार्थी को बेहतर शिक्षण वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों।" उन्होंने कहा कि विद्यालय क्रमोन्नयन और विकास कार्यों से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण और सुविधाएं प्राप्त होंगी। राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण ढांचा और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है ताकि हर विद्यार्थी को समान अवसर मिल सके।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान 250 किलो घी एवं 1250 किलो बूरा जब्त किया

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के त्यौहार पर आमजन को शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने हेतु शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जा रहे हैं। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा आयुक्त टी शुभमंगला और जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा द्वारा गठित टीम ने बुधवार को कार्यवाही करते हुए प्रेम डेयरी जाखी से घी, क्रीम व मिश्रित दूध का नमूना लिया। साथ ही 100 किलोग्राम घी जब्त किया। इसके पश्चात गब्बर डेयरी नगलादानी से घी का नमूना लेकर वहां भी 150 किलोग्राम घी जब्त किया। इसी क्रम में सैपऊ में चित्रकूट मिष्ठान भण्डार से बेसन के लड् तथा रसगुल्ले का नमूना तथा सिंघल फूड प्रोडेक्टस मनिया से ईलायची दाना तथा बूरे का नमूना लेकर 1250 किलोग्राम बूरे को जब्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में अग्रिम कार्यवाही हेतु रखवाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिले भर में विभाग द्वारा मुस्तैदी के साथ मिलावटखोरों के विरुद्ध अभियान दीपावली तक लगातार संचालित किया जाएगा।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव आगामी 25 अक्टूबर से 20 नवम्बर तक होगा आयोजित

बून्दी (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय युवा महोत्सव आगामी 25 अक्टूबर से 20 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कुंज बिहारी भारद्वाज ने बताया कि सम्पूर्ण जिले के सभी ब्लॉको पर शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला स्तरीय युवा महोत्सव के तहत निम्न प्रतियोगिताओं भाषण, कहानी लेखन, चित्रकला, लोक नृत्य, एकल लोक नृत्य, लोक गीत, एकल लोक गीत, प्रदर्शनी, कविता लेखन नवाचार मेला के साथ ही राज्य की लुप्त कला जैसे की फड़, रावण हत्था रम्मत, अलगोजा, माण्डणा, लांघामॉगणीहार, कठपुतली, खडताल, मोरचंग, भपंग आदि का आयोजन किया जाएगा। इस सम्बन्ध में 15-29 आयु वर्ग के युवाओं को राजस्थान युवा बोर्ड पोर्टल एवं माई भारत पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जाना अनिवार्य हैं। रजिस्ट्रेशन पश्चात् प्रिंट निकालकर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) बून्दी में जमा करवाना सुनिश्चित करें।

4 करोड़ मेरी सेलिब्रिटी फीस थी

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है।

अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा।

कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सुनील शेट्टी

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक्टर ने कोर्ट से मांग की है कि बिना अनुमति के उनके फोटो का इस्तेमाल जुए की साइट्स, बिजनेस साइट्स और कई गलत जगहों पर किया जा रहा है, ऐसे में उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा दी जाए। सुनील शेट्टी के वकील, वरिष्ठ एडवोकेट बिरेन्द्र सराफ ने कहा कि सुनील शेट्टी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और उनकी बिना इजाजत के उनकी तस्वीरें, वीडियो और डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल अलग-अलग बिजनेस साइट्स कर रही हैं। ज्यादा तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल प्रोडक्ट के विज्ञापन और सेल को बढ़ाने में किया जा रहा है, जिससे ऐसा लगता है कि शेट्टी इन ब्रांड्स या सेवाओं से जुड़े हैं, जबकि हकीकत में उनका उन ब्रांड से कोई लेना-देना नहीं है। इससे दर्शकों के बीच एक्टर की छवि को लेकर गलत मैसेज जाता है। सुनील शेट्टी की तरफ से दायर की गई याचिका में डीपफेक फोटो का भी जिक्र है। याचिका में बताया गया कि हाल ही में साइट्स पर उनकी और उनकी नातिन ईवारा की फर्जी फोटो लगाकर उनकी निजता का उल्लंघन किया गया। बता दें कि ईवारा एक्टर की बेटी अथिया की बेटी हैं, जिन्हें उन्होंने 24 मार्च 2025 को जन्म दिया था। याचिका में सुनील शेट्टी की तरफ से वेबसाइट्स पर कार्रवाई की मांग की गई है।

फेस्टिव सीज़न में क्या पहनना है?

राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

अ त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नजरें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंस्पिरेशन से कम नहीं। हवादार कुर्ता सेट से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक्स, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर-वाइब्रेंट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं – फ्यूशिया पिंक कुर्ता सेट, जिस पर नाजुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जुत्तियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उतना ही सहज है जितना कि एलीगेंट। परिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है। राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैजुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

शादी की खबरों पर तृषा कृष्णन का रिएक्शन

● हनीमून को लेकर कह दी यह बात; लिखा- उन लोगों से प्यार है...

हाल ही में साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर एक खबर चल रही हैं कि वो किसी व्यवसायी से शादी करने वाली हैं। अब एक्ट्रेस ने इसपर टिप्पणी की है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

साउथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की निजी जिंदगी को लेकर एक खबर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि वो चंडीगढ़ के एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं। हालांकि अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसे लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने हनीमून का भी जिक्र भी किया है। बस इंतजार है हनीमून अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने अपनी निजी जिंदगी और शादी से जुड़ी अटकलों पर बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मजाकिया अंदाज में एक स्टोरी साझा की है। उन्होंने कहा, 'मुझे अच्छा लगता है जब लोग मेरे लिए मेरी जिंदगी की योजना बनाते हैं। बस इंतजार है कि वे हनीमून भी तय करें।'

क्या उड़ी थी अफवाह?

सियासत डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं।

दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी की बात

अश्लीलता वाली फिल्मों की मंजूरी पर जावेद अख्तर ने उठाया सवाल

गीतकार जावेद अख्तर ने फिल्मों की सेंसरशिप पर अपनी राय रखी है। उन्होंने दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी बात की है। आइए जानते हैं उनके विचार। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों की सेंसरशिप पर बात रखी है। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई है कि समाज की वास्तविकता को दर्शाने वाली फिल्मों को भारत में सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है, जबकि अश्लीलता से भरपूर फिल्मों को मंजूरी मिल जाती है।

अश्लील फिल्मों को मिलती है मंजूरी

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती।

फिल्में समाज की खिड़की हैं

जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेंगी।

इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड

दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक UNTOLD दुबई 2025 के स्टार-स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा – जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेटेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉन्ग शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गर्ल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं।

सोनू सूद फिर जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए

अपनी अटूट करुणा और संवेदनशीलता की एक और दिल छू लेने वाली मिसाल पेश करते हुए अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद एक बार फिर एक ज़रूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें एक मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया कि सोनू सूद पंजाब की बाढ़ के समय इसी परिवार से मिले थे। संदेश में लिखा था —सोनू सूद भाई, आप इस परिवार से पंजाब बाढ़ के समय मिले थे। कृपा करके इन्हें मदद करें। करोड़ों लोगों की मदद की है आपने।

सूद फाउंडेशन अपने 'एक्शन मैन' वाली पहचान को साबित करते हुए सोनू सूद ने तुरंत इस अपील का जवाब दिया। बिना किसी देरी के उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद पहले से ही चल रही है, और जवाब दिया, इलाज शुरू करवा दिया है। सब दुआ करते रहें। उनकी प्रतिक्रिया की सरलता और तत्परता ने एक बार फिर संकटग्रस्त लोगों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सच्ची प्रतिबद्धता को उजागर किया। सोनू के लिए, परोपकार एक दिखावा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। पिछले कुछ वर्षों में, सोनू सूद देश भर के अनगिनत लोगों के लिए आशा और मानवता के प्रतीक बन चुके हैं। चाहे चिकित्सा सहायता दिलवाना हो, आर्थिक मदद पहुँचानी हो या आपदाग्रस्त परिवारों को संभालना – उनकी संस्था सूद फाउंडेशन के माध्यम से किए गए निरंतर प्रयास आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक बार फिर, उनके काम ने यह साबित कर दिया कि असली हीरो वही होता है जो संवेदना और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है।

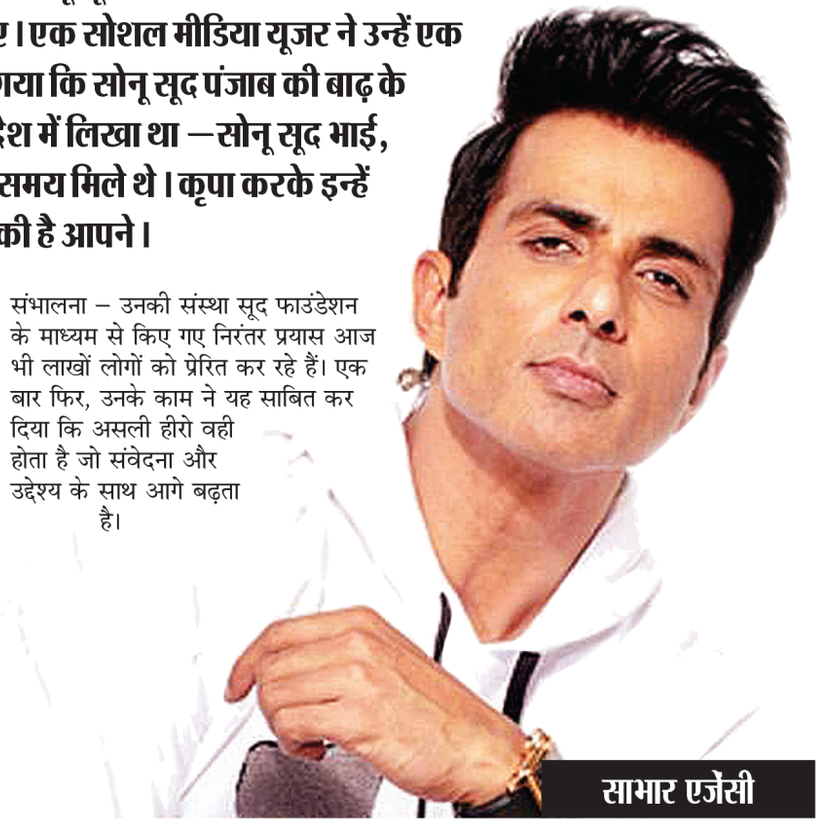

साभार एजेंसी

यूरोप से इंग्लैंड ने सबसे पहले बनाई जगह, अफ्रीकी और एशियाई दिग्गजों ने किया क्वालीफाई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फीफा फुटबाल विश्व कप 2026 के लिए तीन बड़ी टीमें- दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट और सेनेगल ने अपना टिकट पक्का कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने रवांडा को 3-0 से हराकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह 2010 के बाद पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका फीफा विश्व कप में हिस्सा लेगा। इस जीत के साथ ही नाइजीरिया को अपने ग्रुप में दूसरा स्थान मिला और उसे अब प्लेऑफ के जरिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

हालांकि नाइजीरिया ने बेनिन को उसके घरेलू मैदान पर विक्टर ओसिमेन की हैट्रिक की बदौलत 4-0 से हराया। उधर, आइवरी कोस्ट ने कीनिया पर 3-0 की जीत दर्ज कर सीधा क्वालिफिकेशन हासिल किया, जबकि सेनेगल ने मॉरिटानिया को 4-0 से हराकर लगातार तीसरी बार विश्व कप में जगह बनाई। वहीं यूरोप से इंग्लैंड फुटबॉल विश्वकप में क्वालीफाई करना वाला पहला देश है। एशियाई देशों में क्वालिफाई के चौथे दौर में कतर और सऊदी अरब ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पर है।

इटली, स्पेन ने भी बढ़ाई उम्मीदें

पिछले दो विश्व कप में जगह नहीं बना पाने वाला इटली अब प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुका है। उसने इज़रायल को 3-0 से हराया और अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। नॉर्वे फिलहाल तीन अंक आगे है और गोल अंतर में बेहतर स्थिति में है। वहीं स्पेन ने बुल्गारिया को 4-0 से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। स्पेन अब तुर्किये से तीन अंक आगे है, जिसने जॉर्जिया को 4-1 से मात दी।

इंग्लैंड लगातार आठवीं बार खेलगा फीफा विश्व कप

इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 की बड़ी जीत के साथ विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया और इस तरह यूरोप का पहला देश बना, जिसने टूर्नामेंट में जगह पक्की की। कप्तान हैरी केन ने पहले हाफ में दो गोल दागे, जिससे इंग्लैंड ने अपने ग्रुप में दो मैच शेष रहते शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। इंग्लैंड अब लगातार आठवीं बार फीफा विश्व कप खेलेगा। जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के नेतृत्व में इंग्लिश टीम ने अब तक क्वालिफाइंग के छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है।

कतर और सऊदी अरब की जगह पक्की

एशियाई क्वालिफायर के चौथे दौर में कतर और सऊदी अरब ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप 2026 में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। कतर ने दोहा में खेले गए मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 2-1 से हराया, जबकि सऊदी अरब ने जेद्दा में इराक के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमें अब एशिया से विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सातवीं और आठवीं टीम बन गई हैं। कतर दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा लेगा। पिछली बार वह मेजबान देश के रूप में खेला था। लेकिन इस बार कतर ने अपने दम पर क्वालीफिकेशन हासिल किया, जो उसके फुटबॉल इतिहास में एक नया अध्याय है। सऊदी अरब अब तक सातवीं बार विश्व कप में हिस्सा लेने जा रहा है। इससे पहले जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन एशिया से जून में ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए रोहित-विराट ने भरी उड़ान

नई दिल्ली। भारत के ऑस्ट्रेलियाई दौरे का आगाज 19 अक्टूबर से होना है और इसके लिए विराट कोहली व रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों सहित टीम इंडिया के कई खिलाड़ी रवाना हुए। टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की बात करें तो इन दोनों ने पिछला वनडे मुकाबला भारत के लिए इसी साल मार्च माह में खेला था, जिसके बाद रोहित और विराट ने एक साथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके चलते ये दोनों छह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया एक दो नहीं बल्कि तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलती नजर आएंगे। इसकी शुरुआत 19 अक्टूबर से होनी है। पहला वनडे पर्थ में खेला जाएगा तो उसके बाद 23 अक्टूबर को दूसरा वनडे ऐडिलेड में तो तीसरा वनडे मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

नॉर्वे ने शुरू की शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर

नई दिल्ली। नॉर्वे शतरंज के आयोजकों ने बुधवार को टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर को शुरू करने की घोषणा की, जिसमें हर साल चार प्रतियोगिताएं होंगी और तीनों प्रारुप फास्ट क्लासिक, रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज में एक संयुक्त चैंपियन होगा। नॉर्वे शतरंज के सीईओ केजेल मैडलैंड ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के साथ एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह प्रतियोगिता 2027 से प्रत्येक साल आयोजित की जाएगी। मैडलैंड ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह (टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर) पूरे शतरंज कैलेंडर में सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक बन जाएगा।' उन्होंने कहा कि क्लासिकल प्रारुप में आयोजित होने वाली विश्व चैंपियनशिप और टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर एक साथ चलेंगे, क्योंकि इसे फिडे से मंजूरी मिल गई है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ हर विकेट पांच विकेट जैसा

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने जो भी विकेट लिया वह उन्हें पांच विकेट जैसा लगा क्योंकि पिच गेंदबाजों के लिए अनुकूल नहीं थी। सिराज ने मंगलवार को समाप्त हुए मैच में तीन विकेट लिए, जिसमें भारत ने सात विकेट से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। अहमदाबाद में पहले टेस्ट में उन्होंने सात विकेट लिए थे। सिराज को इस शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

रणजी ट्रॉफी : किशन और साहिल ने की 150 रन की अटूट साझेदारी

इशान ने संभाली पारी, ठोका शतक, झारखंड ने तमिलनाडु के खिलाफ बनाए 307 रन

एजेंसी ▸▸ कोयंबटूर

कप्तान इशान किशन के शतक से झारखंड ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच के पहले दिन बुधवार को तमिलनाडु के खिलाफ विषम परिस्थितियों से उबरते हुए छह विकेट पर 307 रन बनाए। भारतीय टीम में अपनी जगह गंवाने वाले किशन दिन का खेल खत्म होने पर 183 गेंद में नाबाद 125 रन बनाकर खेल रहे थे। साहिल राज 64 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे थे। झारखंड पर 200 रन से कम पर सिमटने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन किशन और साहिल ने सातवें विकेट के लिए 150 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। तमिलनाडु की ओर से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने 51 रन देकर तीन विकेट चटकाए। एक दशक बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर डीटी चंद्रशेखर ने दो विकेट हासिल किए।

विदर्भ में नगालैंड के खिलाफ पहले दिन बनाए 302 रन

बेंगलुरु में गत चैंपियन विदर्भ में नगालैंड के खिलाफ पहले दिन तीन विकेट पर 302 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अमन मोखाडे ने नाबाद 148 रन की पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर यश राठौड़ 66 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे थे। ध्रुव शौरे ने भी 64 रन की पारी खेली। कानपुर में सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर केएस भरत (144) के शतक से आंध्र ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ तीन विकेट पर 289 रन बनाए। उन्होंने 244 गेंद की अपनी पारी में 13 चौके मारे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शेख रशीद दिन का खेल खत्म होने पर 94 रन बनाकर खेल रहे थे। कटक में ओडिशा ने राजेश धूपर (नाबाद 76) के अर्धशतक से बड़ौदा के खिलाफ पांच विकेट पर 205 रन बनाए।

बंगाल ने उत्तराखंड को 213 रन पर समेटा

कोलकाता। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चार गेंद में तीन विकेट चटकाए, जिससे बंगाल ने रणजी ट्रॉफी क्रिकेट एलीट ग्रुप सी मैच के पहले दिन बुधवार को उत्तराखंड को 213 रन पर समेट दिया। इसके जवाब में बंगाल ने भी पारी की पहली ही गेंद पर कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (00) का विकेट गंवाकर दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर आठ रन बनाए। सुदीप चटर्जी (नाबाद 01) और सुदीप कुमार घरामी (07) स्टंप के समय क्रीज पर थे। बंगाल की टीम अभी उत्तराखंड से 205 रन से पीछे है। चोटों और खराब फॉर्म में बाद लय हासिल करने की कोशिशों में जुटे 35 साल के शमी को बुधवार को अपने शुरुआती 14 ओवर में कोई सफलता नहीं मिली लेकिन उत्तराखंड की पारी के अंतिम लम्हों में उन्होंने रिवर्स स्विंग का जादू चलाया।

पडिक्कल, करुण और स्मरण का अर्धशतक

राजकोट। देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण के दमदार अर्धशतक की बदौलत कर्नाटक ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच के पहले दिन सौराष्ट्र के खिलाफ पांच विकेट पर 295 रन बनाए। पडिक्कल (96 रन, 141 गेंद, 11 चौके) और नायर (73, 126 गेंद, नौ चौके) ने तीसरे विकेट के लिए 146 रन जोड़े। इन दोनों ने उस समय पारी को संवारा जब बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्र जडेजा (100 रन पर चार विकेट) ने सलामी बल्लेबाज निकिन जोस और कप्तान मयंक अग्रवाल को पारी की शुरुआत में जल्दी पवेलियन भेजा। दिन का खेल खत्म होने पर स्मरण (नाबाद 66 रन, 120 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के साथ अनुभवी श्रेयस गोपाल क्रीज पर डटे थे। जोस और अग्रवाल के केवल 26 रन तक पवेलियन लौटने के बाद कर्नाटक की टीम लड़खड़ा रही थी और पडिक्कल तथा विदर्भ के साथ दो सत्र खेलने के बाद वापस लौटे नायर ने पारी को संवारा।

वनडे रैंकिंग

राशिद खान बने नंबर वन गेंदबाज रोहित-विराट एक पायदान खिसके

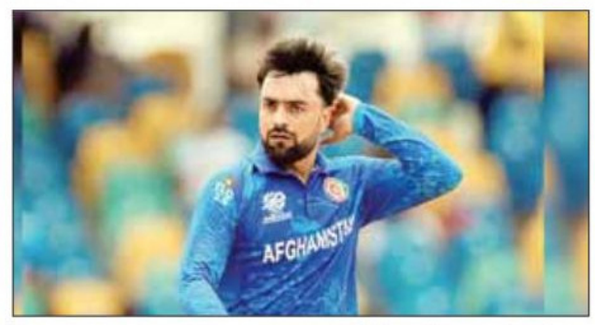

एजेंसी ▸▸ दुबई

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को बड़ा झटका लगा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को पुरुष क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी की। वनडे रैंकिंग में दोनों खिलाड़ी एक-एक पायदान नीचे खिसक गए। अफगानिस्तान के बल्लेबाज इब्राहिम जदरान को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने का फायदा मिला। वह रैंकिंग में 8 स्थान ऊपर दूसरे नंबर पर पहुंच गए। इससे पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को भी एक पायदान का नुकसान हुआ है। बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में भारत के नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल शीर्ष पर बने हुए हैं। गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में राशिद खान ने पांच स्थान की छलांग लगाई और शीर्ष पर पहुंच गए है।

राशिद ने लगाई पांच स्थान की छलांग

गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में राशिद खान ने पांच स्थान की छलांग लगाई और केशव महाराज की बादशाहत खत्म कर दी। राशिद अब वनडे क्रिकेट में नंबर-1 गेंदबाज हैं। टॉप-5 में अन्य गेंदबाजों में श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा,इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और भारत के कुलदीप यादव है। ऑलराउंडर्स की वनडे रैंकिंग में अफगानिस्तान के अजमुल्लाह उमरजई एक पायदान ऊपर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने सिकंदर रजा को पछाड़ा। अभिषेक की बादशाहत कायम मोहम्मद नबी तीसरे और राशिद चौथे नंबर पर हैं। राशिद को ऑलराउंडर रैंकिंग में 2 स्थान का फायदा हुआ। बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज को एक पायदान का नुकसान हुआ है।

कुलदीप यादव करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं टेस्ट रैंकिंग पर

कुलदीप यादव ने आईसीसी की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की। कुलदीप ने जारी रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमशः दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियन

प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे तन्वी, उन्नति और रक्षिता

- 800 तन्वी ने इंडोनेशिया की ओई विनार्तो को दी मात
- उन्नति ने अमेरिका की एलिस वैंग को दी शिकस्त

एजेंसी ▸▸ गुवाहाटी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और रक्षिता श्री रामराज ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी ने इंडोनेशिया की ओई विनार्तो को 15-12, 15-7 से हराया जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति ने अमेरिका की एलिस वैंग को 15-8, 15-5 से शिकस्त दी। दसवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता ने पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए सिंगापुर की आलिया जकारिया को 11-15, 15-5, 15-8 से हराया। तन्वी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए चीन की ली युआन सुन से भिड़ेंगी।

ली ने तीसरे दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त लियाओ जुई-ची को 15-12, 15-12 से हराया। रक्षिता श्रीलंका की चौथी वरीयता प्राप्त रानीथमा लियानागे के खिलाफ खेलेंगी, जिन्होंने मलेशिया की लेर क्यू इंग को 15-9, 15-12 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

दत्तू टीटी पर टिकी उम्मीदें

लड़कियों ने पदक की ओर कदम बढ़ाए हैं जबकि लड़कों के एकल वर्ग में भारत की उम्मीदें केवल ज्ञान दत्तू टीटी पर टिकी हैं, जिन्होंने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में 15वीं वरीयता प्राप्त हमवतन सूर्याक्ष रावत को 11-15, 15-6, 15-11 से हराया। रौनक को हालांकि चीन के ली जी हैंग को कड़ी टक्कर देने के बावजूद 11-15, 12-15 से हार का सामना करना पड़ा।

भव्य और विशाखा की जोड़ी अगले दौर में

मिश्रित युगल में भव्य छाबड़ा और विशाखा टोप्पो की जोड़ी भी अगले दौर में पहुंच गई। इस 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने आस्के रोमर और जैस्मीन विलिस की डेनमार्क की जोड़ी को 15-13, 15-11 से हराया।
भारत ने टूर्नामेंट में 25 सदस्यीय टीम उतारी है। लड़कियों के एकल वर्ग में खिलाड़ी प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक जीते गए 11 व्यक्तिगत पदकों में इजाफा करने की प्रबल दावेदार हैं।

धीमी ओवर गति के लिए टीम इंडिया पर लगा जुर्माना

विशाखापत्तनम। भारतीय महिला टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। रविवार को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को तीन विकेट से हराया। भारत को अब रविवार को इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो वाले मुकाबले में उतरना है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की मिशेल पेरेरा ने यह जुर्माना लगाया क्योंकि भारत ने निर्धारित समय में एक ओवर कम किया था। इस कारण उसके खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।'

विश्व कप क्वालीफायर में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। 40 साल की उम्र में रोनाल्डो ने दिखा दिया कि उनका गोल करने का जुनून अब भी बरकरार है। उन्होंने हंगरी के खिलाफ खेले गए वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में दो गोल दागे, जिससे उन्होंने एक नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोनाल्डो अब विश्व कप क्वालीफायर में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 22वें मिनट में करीब से गोल दागकर फीफा विश्व कप क्वालिफायर्स में 40वां गोल पूरा किया, जिससे उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व स्टार कार्लोस रूइज को पीछे छोड़ दिया।

कमिंस ने कोहली और रोहित को लेकर कही बड़ी बात

सिडनी। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ रविवार से पर्थ में शुरू हो रही एकदिवसीय श्रृंखला विशेष है क्योंकि यह आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते हुए देखने का आखिरी मौका हो सकता है। पीठ की चोट से जूझ रहे 32 वर्षीय कमिंस इस श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। कमिंस ने कहा, 'विराट और रोहित पिछले 15 वर्षों से लगभग हर भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रेमियों के लिए उन्हें यहां खेलते हुए देखने का यह आखिरी मौका हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'वे निश्चित रूप से भारत के लिए खेल के चैंपियन रहे हैं और उन्हें हमेशा अच्छा समर्थन मिलता है। जब भी हम उनके खिलाफ खेलते हैं, दर्शक पूरे जोश में रहते हैं।' इस शीर्ष तेज गेंदबाज ने कहा कि वह इस श्रृंखला में नहीं खेल पाने से वह काफी निराश हैं, जिसमें एडिलेड और सिडनी में भी मैच होंगे।

सात अंक लेकर विश्व कप तालिका में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया

बांग्लादेश के खिलाफ दबदबा कायम रखने आज उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▸▸ विशाखापतनम

अब तक प्रत्येक मैच में दबदबा बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके महिला वनडे विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया चार मैचों में तीन जीत और कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द किए गए मैच में अंक बांटने के बाद सात अंक लेकर विश्व कप तालिका में शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में भारत के खिलाफ पिछले मैच में जीत हासिल करने के बाद उतरेगी।

हीली ने महिला वनडे में बनाया विश्व रिकॉर्ड

यदि प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया के फॉर्म को लेकर कोई संदेह था तो एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने महिला वनडे में विश्व रिकॉर्ड बनाकर इस संदेह को दूर कर दिया तथा इस प्रारुप में संभावित आठवीं खिताबी जीत की अपनी मंशा जाहिर कर दी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 331 रन का लक्ष्य रखा था। हीली ने 102 गेंदों पर 21 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 142 रन की आक्रामक पारी खेली, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एक ओवर शेष रहते सात विकेट पर 331 रन बना लिए। इससे ऑस्ट्रेलिया ने प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमों के लिए खतरे की घंटी बजा दी। यह मैच तब समाप्त हुआ जब एलिस पेरी ने छक्का लगाकर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

बांग्लादेशी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ

बांग्लादेश ने अपने पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन वह मैच तीन विकेट के मामूली अंतर से हार गया था। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने स्पिनरों का अच्छा इस्तेमाल किया लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका को जीत हासिल करने से नहीं रोक पाया। इसके बावजूद इस मैच से बांग्लादेश का मनोबल बढ़ा होगा क्योंकि उसके बल्लेबाजों ने पहले की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया। बांग्लादेश को अगर ऑस्ट्रेलिया के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उसके बल्लेबाजों को फिर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

JDU की 101 उम्मीदवार सूची: 13 महिलाएं, 4 मुस्लिम और 3 बाहुबली शामिल

-जातीय संतुलन पर पूरा ध्यान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का राजनीतिक माहौल अब गर्म हो चुका है। सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (JDU) ने गुरुवार को अपनी दूसरी और अंतिम उम्मीदवार सूची जारी कर दी, जिसके साथ ही पार्टी ने 101 सीटों पर अपने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। इस बार की लिस्ट में जातीय संतुलन, सामाजिक प्रतिनिधित्व और पुराने विधायकों पर भरोसे का एक मिश्रित फार्मूला साफ दिखाई देता है। पार्टी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कुल 101 उम्मीदवारों में 13 महिलाएं और 4 मुस्लिम चेहरों को टिकट दिया गया है। वहीं 37 मौजूदा विधायकों को फिर से चुनाव मैदान में उतारा गया है। 12 वर्तमान मंत्री भी दोबारा अपनी किस्मत आज़माएंगे। यह स्पष्ट संकेत है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अनुभव और विश्वसनीयता दोनों को तवज्जो दी है।

जातीय समीकरण पर सटीक संतुलन

जदयू ने अपनी पूरी सूची में जातीय संतुलन को बारीकी से साधने की कोशिश की है। 37 पिछड़े वर्ग (OBC), 22 अति पिछड़े (EBC), 22 सामान्य, 4 अल्पसंख्यक और एक अनुसूचित जनजाति उम्मीदवार को टिकट दिया गया है। पार्टी का यह समीकरण साफ दिखाता है कि नीतीश कुमार की रणनीति सामाजिक न्याय और विकास के एजेंडे को साथ लेकर चलने की है। नीतीश कुमार की राजनीति हमेशा से "सबका साथ, सबका विकास" के फॉर्मूले पर टिकी रही है। पिछड़ों और अति पिछड़ों की बड़ी संख्या में भागीदारी इसी दिशा में इशारा करती है कि जदयू इस वर्ग के वोट बैंक को मजबूती से अपने पाले में रखना चाहती है।

महिला सशक्तिकरण पर जोर

जदयू ने इस बार कुल 13 महिलाओं को टिकट देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के अपने संकल्प पर कायम है। दिलचस्प बात यह है कि गुरुवार को जारी दूसरी सूची में ही 9 महिलाओं को टिकट दिया गया है। इनमें विभा देवी का नाम खासा चर्चा में है। वह राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं, जिन्होंने कभी तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री से तुलना करते हुए विवादित टिप्पणी की थी। फिर भी पार्टी ने उन्हें नवादा से उम्मीदवार बनाया है, जो इस बात का संकेत है कि जदयू अपने पुराने समर्थक परिवारों को भी साथ रखना चाहती है।

मुस्लिम समुदाय को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व

इस बार की सूची में जदयू ने 4 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। भले ही यह संख्या बहुत बड़ी नहीं दिखती, लेकिन बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में यह एक अहम संदेश देता है कि पार्टी मुस्लिम मतदाताओं को पूरी तरह दरकिनार नहीं करना चाहती। नीतीश कुमार की छवि हमेशा एक मध्यमार्गी, धर्मनिरपेक्ष नेता की रही है, और मुस्लिम समुदाय को टिकट देना उसी संतुलन का हिस्सा है।

बाहुबलियों पर भी भरोसा बरकरार

राजनीति और बाहुबल का रिश्ता बिहार में पुराना रहा है। जदयू ने भी इस बार तीन बाहुबली चेहरों या उनके परिवारों को टिकट देकर यह साबित किया है कि चुनावी गणित में 'प्रभावशाली उम्मीदवारों' की भूमिका अब भी अहम है। इनमें सबसे प्रमुख नाम आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद का है। चेतन आनंद पिछली बार शिवहर से विधायक बने थे, लेकिन इस बार उन्हें औरंगाबाद के नवीनगर से टिकट दिया गया है। इसके अलावा, अनंत सिंह और राजबल्लभ यादव जैसे बाहुबलियों या उनके परिजनों को भी टिकट दिया गया है।

सिटिंग विधायकों और मंत्रियों को मिला दोबारा मौका

जदयू ने इस बार 37 मौजूदा विधायकों को दोबारा टिकट देकर यह जताया है कि पार्टी भरोसेमंद चेहरों को ही आगे रखना चाहती है। इसके अलावा 12 मंत्री भी फिर से मैदान में उतरेंगे। इसका अर्थ है कि नीतीश कुमार किसी बड़े प्रयोग के मूड में नहीं हैं, बल्कि स्थिर और अनुभवी उम्मीदवारों के सहारे चुनावी रणनीति को मजबूत करना चाहते हैं।

जैसलमेर बस अग्निकांड: मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता, पीड़ित धरने पर

जैसलमेर । जैसलमेर में हुई भयंकर बस अग्निकांड की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा की है, जिससे प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर किसी परिवार में तीन या उससे अधिक लोगों की मौत हुई है, तो उस परिवार को कुल ₹25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, जिन परिवारों में केवल एक या दो लोगों की मौत हुई है, उनके लिए प्रति मृतक ₹10 लाख की मदद निर्धारित की गई है। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल हुए पीड़ितों को ₹2 लाख और सामान्य रूप से घायल हुए लोगों को ₹1 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस आर्थिक पैकेज की घोषणा के बावजूद पीड़ित परिवारों का गुस्सा कम नहीं हुआ है। कुछ परिवारों ने जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में धरना शुरू कर दिया है। वे उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं और शव लेने से इंकार कर दिया है। यह धरना इस बात का प्रतीक है कि केवल आर्थिक सहायता पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें न्याय और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। हादसे में जान गंवाने वालों में सबसे हालिया मौत 54 वर्षीय भागा बानो की हुई है। उनका इलाज चल रहा था, लेकिन गुरुवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। इस दुखद हादसे में एक शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, जो पीड़ित परिवारों और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। जैसलमेर अग्निकांड की वजह से न केवल पीड़ित परिवारों को अपूरणीय क्षति हुई है, बल्कि समाज में सुरक्षा और यात्रा के प्रति चेतना भी बढ़ गई है। इस तरह के हादसों ने यातायात और परिवहन सुरक्षा के नियमों की समीक्षा करने की आवश्यकता को बल दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी कहा कि आर्थिक सहायता केवल प्रारंभिक राहत है। सरकार आगे जाकर पीड़ितों के स्थायी पुनर्वास, स्वास्थ्य सुविधाओं और मानसिक सहायता पर भी ध्यान देगी। मृतकों के परिवारों को नई जिंदगी की शुरुआत के लिए मदद मुहैया कराई जाएगी। हालांकि आर्थिक सहायता के ऐलान के बावजूद पीड़ित परिवारों में निराशा है। उनका कहना है कि मन का संतोष और न्याय की अनुभूति केवल पैसों से नहीं मिल सकती। परिवारों का धरना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है और सरकार को चाहिए कि वह संवेदनशीलता के साथ पीड़ितों की मांगों पर ध्यान दे। जैसलमेर बस अग्निकांड की यह घटना पूरे राज्य और देश के लिए चेतावनी है कि यात्रियों की सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। हादसे में हुई जान-माल की हानि न केवल व्यक्तिगत परिवारों के लिए दुखद है, बल्कि समाज के लिए भी सीख है कि सुरक्षा और प्रशासनिक तत्परता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बिहार चुनाव 2025: NDA ने 226 उम्मीदवारों की घोषणा की

-महागठबंधन की लिस्ट अभी तक अधूरी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी अब चरम पर पहुँच चुकी है। गुरुवार तक एनडीए ने अपनी अधिकांश तैयारी पूरी कर ली है और 226 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। भाजपा और जदयू ने अपने-अपने 101-101 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इसके अलावा लोजपा (आर) ने 14, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (HAM) ने 6 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) ने 4 उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस तरह एनडीए ने चुनावी मैदान में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए पूरी रणनीति तैयार कर ली है। एनडीए की सूची पर गौर करें तो इसमें मुस्लिम समुदाय के सिर्फ चार उम्मीदवार हैं और ये सभी जदयू की ओर से हैं। भाजपा ने अपने 101 उम्मीदवारों में किसी भी मुस्लिम को जगह नहीं दी है। वहीं, उम्मीदवारों में 49 सवर्ण शामिल हैं। राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से यह लिस्ट काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस लिस्ट में युवा गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर सीट से टिकट दिया गया है, जो पार्टी की युवा और सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन की स्थिति अभी भी अनिश्चित है। कांग्रेस और राजद अपने-अपने उम्मीदवारों की सीट शेयरिंग पर लगातार रस्साकशी कर रहे हैं। अभी तक किसी भी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की आधिकारिक लिस्ट जारी नहीं की है। यह स्थिति महागठबंधन के भीतर संघर्ष और सामंजस्य की चुनौती को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। सीट बंटवारे को लेकर चल रही यह खींचतान चुनावी रणनीति और गठबंधन की मजबूती पर भी असर डाल सकती है। राज्य में इस बार चुनाव दो फेज में होंगे। पहला फेज 7 नवंबर को और

दूसरा फेज 11 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। पहले फेज के लिए नामांकन की अंतिम तारीख 17 अक्टूबर है। इसके बाद ही उम्मीदवारों की अंतिम सूची तैयार होगी और चुनावी मुकाबले की दिशा स्पष्ट होगी। नतीजे 14 नवंबर को घोषित होंगे। विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए ने समय रहते उम्मीदवारों की घोषणा कर अपनी तैयारियों को स्पष्ट कर दिया है, जबकि महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर विवाद और लिस्ट की देरी उनकी रणनीति को कमजोर कर सकती है। एनडीए की लिस्ट में शामिल कुछ युवा और सांस्कृतिक रूप से पहचान रखने वाले उम्मीदवारों को जनता की नब्ज़ पर खरा उतरने की उम्मीद है। इस बार चुनाव में राजनीतिक समीकरण काफी पेचीदा दिखाई दे रहे हैं। एनडीए की तैयारी और महागठबंधन की अनिश्चितता ने चुनावी माहौल को और भी रोमांचक बना दिया है। अब जनता के लिए यह तय करना होगा कि किस गठबंधन की नीतियाँ और उम्मीदवार उनके लिए बेहतर साबित होंगे। महागठबंधन और एनडीए दोनों ही पूरी ताकत के साथ चुनावी रणभूमि में उतर चुके हैं और आने वाले दिनों में उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट और प्रचार अभियान चुनावी लड़ाई की दिशा तय करेंगे।

भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा अफगानिस्तान

-पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- तालिबान के फैसले अब दिल्ली से हो रहे हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि "तालिबान के फैसले अब काबुल में नहीं, बल्कि दिल्ली में लिए जा रहे हैं।" आसिफ ने दावा किया कि अफगानिस्तान अब भारत के लिए "प्रॉक्सी वॉर" लड़ रहा है और पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रच रहा है। रक्षामंत्री ने कहा कि अगर पाकिस्तान को उकसाया गया, तो वह सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने चेतावनी दी – "हमारे पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। अगर उन्होंने युद्ध का दायरा बढ़ाया, तो हम हमला करेंगे। लेकिन हम बातचीत के लिए भी तैयार हैं।"दरअसल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते पिछले कुछ महीनों से बेहद तनावपूर्ण हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान की सीमा से हो रहे आतंकी हमलों के लिए तालिबान को जिम्मेदार ठहरा रहा है। वहीं अफगानिस्तान बार-बार इन आरोपों को खारिज करता रहा है।

तनाव बढ़ने के बीच पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के लिए ट्रांजिट ट्रेड सुविधा को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि अफगानिस्तान अब अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए पाकिस्तानी जमीन का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। इस फैसले के बाद कराची और पोर्ट कासिम से अफगानिस्तान जाने वाले ट्रकों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (FBR) ने आदेश जारी कर कहा है कि क्वेटा और पेशावर के कस्टम स्टेशन अब अतिरिक्त कंटेनरों को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। सभी अफगान ट्रांजिट गेट पास रद्द कर दिए गए हैं और नए कंटेनरों की ढुलाई रोक दी गई है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान एक लैंडलॉक्ड देश है यानी उसके पास समुद्री तट नहीं है। इसलिए वह अपने व्यापार के लिए पाकिस्तान की जमीन और बंदरगाहों पर निर्भर रहता है।

प्रधानमंत्री मोदी का आंध्र प्रदेश दौरा

-श्रीशैलम मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में पूजा और ₹13,430 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

नंदयाल/कुर्नूल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को आंध्र प्रदेश के नांदयाल पहुँचे, जहां उन्होंने धार्मिक और विकास कार्यों में भाग लिया। उनकी यह यात्रा धार्मिक आस्था और राज्य के विकास की योजनाओं को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कार्यक्रम रही। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले श्रीशैलम स्थित भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन, पूजा और ध्यान किया। यह मंदिर अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है और देश के 12 ज्योतिर्लिंगों व 52 शक्तिपीठों में शामिल है। खास बात यह है कि यह मंदिर एकमात्र ऐसा स्थल है जहां दोनों – ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ – एक साथ मौजूद हैं। यहाँ पीएम मोदी ने मंदिर परिसर में ध्यान करते हुए आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया और श्रद्धालुओं के साथ संवाद किया। भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन मंदिर के बाद प्रधानमंत्री मोदी श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र पहुँचे। यह केंद्र छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित एक मेमोरियल कॉम्प्लेक्स है। यहाँ मेडिटेशन हॉल की विशेषता यह है कि इसके चारों कोनों में भारत के चार प्रमुख किले – प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी – के मॉडल स्थापित किए गए हैं। केंद्र के बीचों-बीच छत्रपति

शिवाजी महाराज की ध्यान मुद्रा वाली प्रतिमा है, जो उनके साहस, बुद्धिमत्ता और आत्मिक बल का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहाँ ध्यान कर केंद्र के महत्व को समझा और इसकी शिल्पकला और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना की। इसके बाद पीएम मोदी दोपहर लगभग 2.30 बजे कुर्नूल पहुँचे। यहाँ उनका मुख्य कार्यक्रम राज्य के विकास से जुड़ा था। उन्होंने ₹13,430 करोड़ की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में इंडस्ट्री, पावर ट्रांसमिशन, रोड निर्माण, रेलवे, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, पेट्रोलियम और नेचुरल गैस सेक्टर के विकास कार्य शामिल हैं। इन पहलों से आंध्र प्रदेश में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे की मजबूती को बढ़ावा मिलेगा। प्रधान मंत्री मोदी ने कुर्नूल में आयोजित जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने राज्य और देश के विकास के महत्व, नई परियोजनाओं के लाभ और नागरिकों की भलाई पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि ये परियोजनाएँ आंध्र प्रदेश के हर नागरिक की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाएंगी और राज्य को उद्योगों तथा नई तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाएंगी। इस यात्रा का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करना था बल्कि आंध्र प्रदेश में आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करना था। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा राज्यवासियों के लिए प्रेरणा और उत्साह का स्रोत बना, जिससे धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में समृद्धि की उम्मीद और बढ़ गई।

दिल्ली में दिवाली के बाद कृत्रिम बारिश की तैयारी, प्रदूषण को कम करने का कदम

नई दिल्ली। दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। राजधानी के पांच प्रमुख सेंटरों—आनंद विहार, नॉर्थ कैंपस, मथुरा रोड, द्वारका और वजीरपुर—में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 300 के पार पहुंच गया। यह स्तर 'खतरनाक' श्रेणी में आता है और लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। इसके मद्देनजर दिल्ली सरकार ने प्रदूषण कम करने के लिए विशेष उपायों की योजना बनाई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि राजधानी में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश कराने की तैयारी पूरी है। उन्होंने कहा कि दिवाली के अगले दिन चुनिंदा इलाकों में कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। हालांकि, इसका काम मौसम विभाग की हरी झंडी मिलने के बाद ही शुरू होगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगले 2-3 दिनों में मौसम विभाग की मंजूरी के बाद क्लाउड सीडिंग की प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाया जाएगा। क्लाउड सीडिंग की तैयारी को लेकर मंत्री सिरसा ने बताया कि सभी आवश्यक उपकरण और संसाधन पहले ही तैयार कर लिए गए हैं। इसके लिए दो पायलटों को चार दिन तक प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे बारिश उत्पन्न करने वाली तकनीक का सही तरीके से इस्तेमाल कर सकें। मंत्री ने कहा कि एक प्लेन के जरिए ब्लास्टिंग और स्प्रे किया जाएगा और इसके तीन घंटे के भीतर ही इसका असर नजर आने लगेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि कृत्रिम बारिश से दिल्ली के कई हिस्सों में वायु प्रदूषण में तेजी से कमी आएगी। दिल्ली में प्रदूषण का यह बढ़ता स्तर इस बात की ओर इशारा करता है कि दिवाली पर पटाखों के जोरदार विस्फोट और ठंड के कारण धुंध और स्मॉग का स्तर बढ़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में दिवाली के बाद प्रदूषण में अचानक वृद्धि होने की प्रवृत्ति देखी गई है। इस बार भी मौसम विभाग ने कहा है कि हवा की गति कम होने और धुंध के घने होने के कारण प्रदूषण का स्तर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। सिरसा ने बताया कि कृत्रिम बारिश की प्रक्रिया में बादलों में विशेष रासायनिक पदार्थों का स्प्रे किया जाता है, जिससे बादल भारी होकर बारिश गिराते हैं। इस तकनीक से हवा में मौजूद धूल और प्रदूषक कण भी गिर जाते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि यह उपाय केवल उन क्षेत्रों में लागू किया जाएगा जहां प्रदूषण सबसे अधिक है और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा है। क्लाउड सीडिंग के तहत एक छोटा सा सैंपल परीक्षण भी किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक प्रभावी ढंग से काम कर रही है। इसके अलावा, मौसम विभाग लगातार निगरानी रखेगा और बादलों के छाने की स्थिति का आकलन करेगा। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में इस तकनीक का उपयोग सुरक्षित है और यह पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है। दिल्ली सरकार ने पहले भी प्रदूषण कम करने के लिए कई उपाय किए हैं, जैसे कि वाहन उत्सर्जन नियंत्रण, निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के उपाय और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना। इसके अलावा, लोगों को सलाह दी गई है कि वे दिवाली पर कम पटाखे जलाएं और घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें।

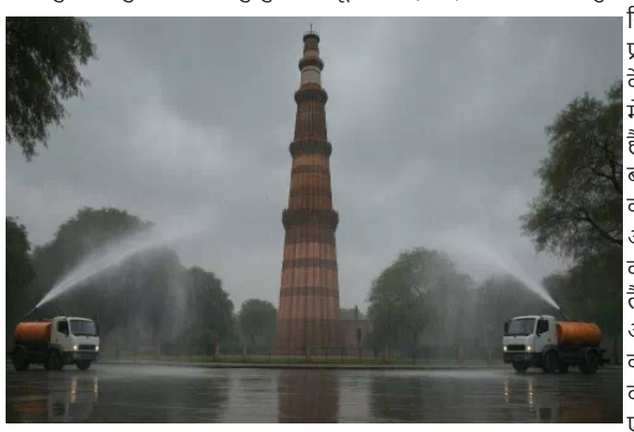

चीन से J-10C फाइटर जेट खरीदेगा इंडोनेशिया

-₹75 हजार करोड़ में 42 विमान, दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ेगी सैन्य ताकत

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया ने अपनी रक्षा क्षमता को मज़बूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए चीन से 42 J-10C फाइटर जेट खरीदने का निर्णय लिया है। यह सौदा करीब ₹75 हजार करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। इस समझौते के साथ इंडोनेशिया पहली बार किसी ग़ैर-पश्चिमी देश से युद्धक विमान खरीद रहा है, जो उसकी रक्षा नीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। रक्षा मंत्री सजफ्री सजमसुद्दीन ने बुधवार को कहा कि "जल्द ही ये जकार्ता के आसमान में उड़ते नज़र आएंगे।" चीन द्वारा विकसित J-10C एक आधुनिक चौथी पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर जेट है, जो उन्नत एवियोनिक्स और लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता से लैस है। पहले यह विमान केवल चीन की वायुसेना के लिए ही तैयार किया गया था, लेकिन अब बीजिंग ने इसे निर्यात के लिए भी खोल दिया है। वित्त मंत्री पुरबया युधी सदेवा ने बताया कि सरकार ने इस डील के लिए आवश्यक बजट को मंज़ूरी दे दी है, हालांकि विमानों की डिलीवरी की तारीख़ अभी तय नहीं की गई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पास भी यही J-10C जेट मौजूद हैं, जिन्हें उसने मई महीने में भारत के साथ हुए सीमा तनाव के दौरान इस्तेमाल किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि इस खरीद के बाद इंडोनेशिया की वायुसेना की ताकत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और दक्षिण-पूर्व एशिया में उसका रणनीतिक प्रभाव भी बढ़ेगा। यह सौदा चीन के लिए भी अहम है, क्योंकि इससे उसे अपने रक्षा उत्पादों के वैश्विक बाज़ार में विस्तार का नया अवसर मिलेगा।

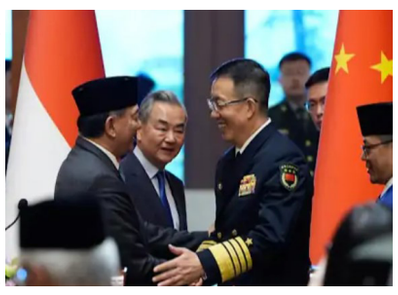

ट्रम्प बोले- भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा

-राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी दबाव में झुक गए

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रम्प ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, हमारे रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत के रूस से तेल खरीदने से मुझे खुशी नहीं थी, लेकिन आज पीएम मोदी ने मुझे भरोसा दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा।" गौरतलब है कि अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल आयात जारी रखने के कारण 25% अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। इससे पहले ही 25% "रेसिप्रोकल" यानी जैसे को तैसा टैरिफ लागू था। इस तरह भारत पर कुल आयात शुल्क 50% तक पहुंच गया है। यह कदम अमेरिकी दबाव की नई

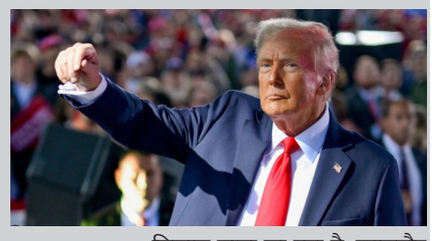

मिसाल माना जा रहा है, खासतौर पर तब जब भारत ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से सस्ता तेल खरीद रहा था। ट्रम्प के इस बयान के बाद भारत में विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति से डर गए हैं। उन्होंने देश के हितों के बजाय ट्रम्प की शर्तें मान लीं।" राहुल ने पीएम पर पाँच आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने— (1) भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता को गिरवी रखा, (2) विदेश नीति को झुका दिया, (3) घरेलू महंगाई बढ़ाई, (4) रूस से संबंध कमजोर किए, और (5) अमेरिकी दबाव में राष्ट्रीय हितों से समझौता किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,